G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

SAURASHTRA UNIVERSITY

Academic Section

University Campus, University Road,
Rajkot – 360005
Phone No.: (0281) 2578501 Ext. No. 202 & 304
FAX No.: (0281) 2576347 E-mail Id: academic@sauuni.ac.in

Azadi Ka Amrit Mahotsav

નં.એકે/વિનયન/ ૮૩૫૩૪ /૨૦૨૩ તા. ૧૭/૦૮/૨૦૨૩

હિન્દી

પરિપત્ર:-

સૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટીની વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સ્નાતક કક્ષાના B.A.(હિન્દી)ના અભ્યાસક્રમ ચલાવતી સર્વે સંલગ્ન કોલેજોના આચાર્યશ્રીઓને આથી જાણ કરવામાં આવે છે કે, NEP-2020 અંતર્ગતના રાજય સરકારશ્રીના તા.૧૧/૦૭/૨૦૨૩ના ઠરાવ ત્યારબાદ તા.૨૭/૦૭/૨૦૨૩ના રોજ પ્રકાશિત થયેલ સ્ટાન્ડર્ડ ઓપરેટિંગ પ્રોસિજર(SOP) તેમજ ત્યારબાદ તેને આનુસંગિક તા.૨૮/૦૭/૨૦૨૩ના રોજ આવેલ સુધારા મુજબના અભ્યાસક્રમો ચેરમેનશ્રી, હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિ દ્વારા રજુ કરાયેલ B.A.(હિન્દી) સેમેસ્ટર-૦૧ અને ૦૨ના અભ્યાસક્રમો આગામી શૈક્ષણિક સત્ર જુન-૨૦૨૩થી અમલમાં આવે તે રીતે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિ, વિનયન વિદ્યાશાખા, એકેડેમિક કાઉન્સિલ તથા સિન્ડિકેટની બહાલીની અપેક્ષાએ મંજુર કરવા માન.કુલપતિશ્રીને ભલામણ કરેલ, જે માન.કુલપતિશ્રીએ મંજુર કરેલ છે. જેથી સંબંધિત તમામે તે મુજબ તેની ચુસ્તપણે અમલવારી કરવી.

સહી/-

(મુસદ્દો કુલસચિવશ્રીએ મંજુર કરેલ છે.)

(ડૉ. એચ.પી.રૂપારેલીઆ)
કુલસચિવ

બિડાણ:- ઉક્ત અભ્યાસક્રમ (સોફ્ટ કોપી)

રવાના કર્યું

17/8/23

એકેડેમિક ઓફીસર

પ્રતિ,

(૧) વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની હિન્દી વિષય ચલાવતી સ્નાતક કક્ષાની સર્વે સંલગ્ન કોલેજોના આચાર્યશ્રીઓ તરફ
(૨) વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિના સર્વે સભ્યશ્રીઓ

નકલ જાણ અર્થે રવાના:-

૧. માન.કુલપતિશ્રી/કુલસચિવશ્રીના અંગત સચિવ

નકલ રવાના (યોગ્ય કાર્યવાહી અર્થે):-

૧. ડીનશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા ૨. પરીક્ષા વિભાગ ૩. પી.જી.ટી.આર.વિભાગ ૪. જોડાણ વિભાગ

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय,
राजकोट (गुजरात)–३६०००५

Accredited by NAAC with 'B' Grade

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२० स्नातक (हिन्दी) पाठ्यक्रम

जून – २०२३ से स्वीकृत

पाठ्यक्रम उपलब्धियाँ (Programme Outcomes -POs):

POs 1. छात्रों में शिक्षा के मूलभूत उद्देश्यों की स्थापना करना ।

POs 2. छात्रों का सर्वांगीण विकास करना ।

POs 3. छात्रगण की आंतरिक प्रतिभा या वैयक्तिक क्षमताओं का विकास करना ।

POs 4. छात्रों को लोकतांत्रिक एवं राष्ट्रीय व्यवस्था में सम्मिलित करके उनमें नागरिकत्त्व के गुण विकसित करना ।

POs 5. छात्रों में पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक उद्देश्यों को स्थापित करके व्यावहारिक उद्देश्यों के साथ सामंजस्य प्रस्थापित करना।

POs 6. छात्रों में राष्ट्रीय भावना उजागर करना।

POs 7. इतिहास प्रसिद्ध भारतीय राजा–महाराजाओं की वीरता, धीरता एवं शौर्य को प्रदर्शित करना।

POs 8. भारतीय नाथों, सिद्धों, जैनों की अलौकिक दिव्य दृष्टि को एवं ज्ञान की उँचाई को छात्रों के सामने पेश करना।

POs 9. स्थानीय बोली से प्रभावित छात्रों की उच्चारण संबंधी गलतियों को दुरस्त करना।

POs 10. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्र–गण वैश्विक महिला आंदोलनों, संगठनों और विचारधारा का परिचय प्राप्त करें।

POs 11. छात्र–गण तुलनात्मक साहित्य द्वारा भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की जानकारी प्राप्त करें।

POs 12. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा प्रादेशिक स्तर की छात्राएँ भारतीय एवं पाश्चात्य नारी–वैचारिकता से परिचित हो।

POs 13. तुलसी की समन्वय भावना एवं राम का लोकनायक रूप राष्ट्रवादी चेतना को जगाने में सहायक हैं।

POs 14. हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा में विविध समस्याओं को उठाया गया है जो राष्ट्रीय स्तर पर समाधान दे सकती है।

POs 15. भारत देश की विविध भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी भाषा का महत्त्व निर्धारित होता है।

POs 16. दलित वर्ग की समस्याओं को समझें और समाधान तक गति करें।

POs 17. विविध सामाजिक, नारीगत, आर्थिक, राजनीतिक समस्याओं को समाधान की ओर ले जाता है।

POs 18. भारतीय पौराणिक चरित्रों के माध्यम से भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, चेतना उजागर होती है।

POs 19. विविध गद्य रचनाओं के माध्यम से नारी, दलित, आधुनिकता से संबंधित समस्याओं का निरूपण किया गया है।

POs 20. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से गुजराती भाषा में व्यक्त राष्ट्रीय अस्मिता उजागर होती है।

POs 21. भारतीय शिल्पकारों की सामाजिक जागृति एवं राष्ट्रीयता में योगदान की स्थापना होती है।

POs 22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र द्वारा पश्चिमी सभ्यता, संस्कृति को जाने।

POs 23. आदिवासी समाज एवं उसके परिवेश से परिचित हों। उनके विकास की दिशा में ठोस कदम उठायें जा सके।

POs 24. छात्र–गण भारतीय लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करें।

पाठ्यक्रम विशिष्ट उपलब्धियाँ (Programme Specific Outcomes- PSOs):

PSOs 1. हिन्दी भाषा साहित्य की पढ़ाई से छात्रों में समन्वयवादी दृष्टिकोण की स्थापना करना।

PSOs 2. भारतीय पौराणिक एवं ऐतिहासिक राष्ट्रीय अस्मिता को उजागर करना ।

PSOs 3. हिन्दी अध्यापन के द्वारा छात्रों में मानवीय संवेदना स्थापित करना ।

PSOs 4. एक राष्ट्र, एक समाज एवं विश्व–बंधुत्व की स्थापना करना ।

PSOs 5. बदलती भाषा–नीतियों का अध्ययन करने भाषागत–अस्मिता को सुरक्षित करना ।

PSOs 6. प्रादेशिक भाषा को महत्त्व देकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के अंतर्सम्बन्ध को जानना ।

PSOs 7. छात्रों को भाषा–कौशल के माध्यम से रोजगार प्राप्त करना ।

PSOs 8. भारतीय मूल्यों की रक्षा करना ।

PSOs 9. भारतीय सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा करना ।

PSOs10. हिन्दी भाषा–साहित्य के माध्यम से छात्रों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होता है।

PSOs11. हिन्दी पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में स्व–शिक्षण एवं स्वयं की क्षमता का विकास करना ।

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला संकाय स्नातक पाठ्यक्रम : हिन्दी

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विश्वास मानांक (क्रेडिट मूल्य)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५० %)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE (५० %)	प्रायोगिक /मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक/ अनुस्नातक/ विद्यावाच–स्पति		अनुशासन विशिष्ट मूल/ अंत:विषय/बहुविषयक/ क्षमता संवर्धन/कौशल्य संवर्धन/ सामान्य मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	प्रथम	अनुशासन विशिष्ट मूल (DCS)	आधुनिक काव्य सरिता एवं व्याकरण	०१	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०१	०१	०१	०१
२	स्नातक	प्रथम	अनुशासन विशिष्ट मूल (DCS)	कथा सरिता एवं व्याकरण	०२	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
३	स्नातक	प्रथम	अंत:विषयक (IDC)	कथा कल्प	०१	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०२	०१	०१	०१	०१
४	स्नातक	प्रथम	बहुविषक (MDC)	हिन्दी सृजनात्मक लेखन – १	०१	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०३	०१	०१	०१	०१
५	स्नातक	प्रथम	क्षमता संवर्धन (AEC)	आधुनिक हिन्दी कहानी एवं व्याकरण	०१	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०४	०१	०१	०१	०१
६	स्नातक	प्रथम	कौशल्य संवर्धन (SEC)	संप्रेषण कौशल पर्यावरण प्रशिक्षण	०१	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०५	०१	०१	०१	०१
७	स्नातक	प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS)	भारतीय निर्गुण संत परंपरा और कबीर तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' हिन्दी की गांधीवादी कविताएँ–१	०१	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०६	०१	०१	०१	०१
८	स्नातक	द्वितीय	अनुशासन विशिष्ट मूल (DCS)	आधुनिक हिन्दी काव्य : 'संशय की एक रात'	०३	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१
९	स्नातक	द्वितीय	अनुशासन विशिष्ट मूल (DCS)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : 'दौड़'	०४	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१
१०	स्नातक	द्वितीय	अंत:विषयक (IDC)	आधुनिक हिन्दी काव्य : 'पंचवटी' एवं व्याकरण	०२	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०२	०१	०२	०२	०१
११	स्नातक	द्वितीय	बहुविषक (MDC)	हिन्दी सृजनात्मक लेखन – २	०२	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०३	०१	०२	०२	०१
१२	स्नातक	द्वितीय	क्षमता संवर्धन (AEC)	राष्ट्रीय चेतना सम्पन्न कविताएँ एवं अनुवाद	०२	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०४	०१	०२	०२	०१
१३	स्नातक	द्वितीय	कौशल्य संवर्धन (SEC)	नेतृत्व और प्रबंधन कौशल पर्यटन व्यवस्थापन	०२	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०५	०१	०२	०२	०१
१४	स्नातक	द्वितीय	मूल्य वर्धित (VAC)	गुजरात के निर्गुण संत परम्परा और दादू दयाल योग एवं ध्यान हिन्दी की गांधीवादी कविताएँ–२	०१	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०६	०१	०२	०१	०१

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम

(Discipline Specific Core Course)

वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम–०१ (DSC - PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक काव्य सरिता
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	मूल	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	**१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :**
➢ छात्रों को हिन्दी कविता के स्वरूप एवं विकास से अवगत कराना। ➢ छात्रों को कविता के भाव समझने की क्षमता प्रदान करना। ➢ छात्रों में काव्य की सृजनात्मकता एवं अनुभूति को विकसित करना। ➢ छात्रों में तर्क, विचार, कल्पना शक्ति एवं सौंदर्यानुभूति को विकसित करना। ➢ छात्रों को काव्य का भाव एवं शैली का ज्ञान कराना। ➢ छात्रों को कविता की शब्द–योजना, शब्द–शक्तियाँ, छन्दों, अलंकारों एवं रसों की अनुभूति का शास्त्रीय ज्ञान कराना। ➢ छात्रों में काव्य की रचनात्मक शैली को विकसित करना। ➢ छात्रगण हिन्दी वर्णमाला को समझे।	➢ छात्रों ने हिन्दी कविता का स्वरूप एवं विकास को समझा। ➢ छात्र पठित कविताओं के माध्यम से उसकी भाव–संपदा, काव्य–विश्लेषण प्रक्रिया से अवगत हुए। ➢ छात्र कविता के प्रयोजन, कविता शिक्षण की प्रणालियों, सोपानों एवं कविता रूचि को उत्पन्न करनेवाले उपादानों से अवगत हुए। ➢ छात्रों ने कविता अध्ययन के माध्यम से मानवता के गुण जैसे प्रेम, इमानदारी, दया, सहानुभूति, समता, सद्भावना, राष्ट्रीयता आदि को समझा। ➢ छात्रों ने काव्य–पठन एवं काव्य–कंठस्थ रीतियों का ज्ञान प्राप्त किया। ➢ छात्रों ने कविता–कल्पना शक्ति एवं सौंदर्यानुभूति की ज्ञान प्रणाली का अनुभव किया। ➢ छात्र कवि कर्म सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् की भावना से अभिभूत हुए। ➢ छात्रों ने हिन्दी वर्णमाला को समझा।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वा समानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई		पाठ्य-विषय	
इकाई-१	'नये जमाने की मुकरियाँ'	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'नये जमाने की मुकरियाँ' कविता का भावार्थ
		'नये जमाने की मुकरियाँ' कविता में व्यक्त जन-चेतना	'नये जमाने की मुकरियाँ' कविता में व्यक्त अंग्रेजों की दमननीति
	'दशरथ विलाप'	'दशरथ विलाप' कविता का भावार्थ	'दशरथ विलाप' कविता में व्यक्त पितृ-प्रेम
		'दशरथ विलाप' कविता में व्यक्त संदेश	'दशरथ विलाप' कविता की भाषा-शैली
इकाई-२	'मनुष्यता'	मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'मनुष्यता' कविता में व्यक्त आदर्शवादी-जनचेतना
		'मनुष्यता' कविता का भावार्थ	भाव और कला पक्ष के माध्यम से 'मनुष्यता' का मूल्यांकन
	'दोनों ओर प्रेम पलता है'	'दोनों ओर प्रेम पलता है' कविता का भावार्थ	'दोनों ओर प्रेम पलता है' कविता में व्यक्त प्रेमानुभूति
		भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'दोनों ओर प्रेम पलता है' काव्य का मूल्यांकन	'दोनों ओर प्रेम पलता है' कविता में व्यक्त मानवीय- संवेदना
इकाई-३	'मधुशाला'	हरिवंशराय बच्चन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मधुशाला' काव्य का मूल्यांकन
		'मधुशाला' काव्य का भावार्थ	
		हालावादी काव्य के संदर्भ में 'मधुशाला' का मूल्यांकन	'मधुशाला' काव्य में व्यक्त युगीन-चेतना
	'जो बीत गई सो बात गई'	'जो बीत गई सो बात गई' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'जो बीत गई सो बात गई' कविता का मूल्यांकन
		'जो बीत गई सो बात गई' कविता में व्यक्त प्रतिकात्मकता	
	'कलम और तलवार'	रामधारी सिंह 'दिनकर' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'कलम और तलवार' कविता में व्यक्त प्रतिकात्मकता
		'कलम और तलवार' कविता का भावार्थ	भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'कलम और तलवार' कविता का मूल्यांकन
इकाई-४	'बापू'	'बापू' कविता का भावार्थ	भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'बापू' कविता का मूल्यांकन
		'बापू' कविता में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना	'बापू' कविता में निरूपित समय-बोध
	'कालिदास के प्रति'	नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'कालिदास के प्रति' कविता का भावार्थ
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कालिदास के प्रति' कविता का मूल्यांकन	'कालिदास के प्रति' कविता में व्यक्त कवि की भाव-प्रतिकात्मकता
	'अकाल और उसके बाद'	'अकाल और उसके बाद' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष मी दृष्टि से अकाल और उसके बाद' कविता का मूल्यांकन
		'अकाल और उसके बाद' कविता की व्यंग्यात्मकता	'अकाल और उसके बाद' कविता में अकाल का भीषण चित्रण
इकाई-५	व्याकरण	वर्णविचार : - स्वरों का उच्चारण एवं लेखन - व्यंजनों उच्चारण एवं लेखन - वर्णो के उच्चारण स्थान - संधि	शब्द विचार : - संज्ञा के भेद एवं शब्द के भेद - लिंग - वचन - कारक
टिप्पणियाँ		- 'नये जमाने की मुकरियाँ' काव्य का उद्देश्य - 'मनुष्यता' काव्य का मध्यवर्ती विचार - 'दोनों ओर प्रेम पलता है' कविता का शीर्षक - 'कालीदास' के प्रति' कविता का शीर्षक	-'दशरथ विलाप' काव्य का शीर्षक - 'मधुशाला' काव्य में अलौकिकता - 'बापू' कविता का उद्देश्य - 'अकाल और उसके बाद' कविता का मध्यवर्ती विचार

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वासमानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक-१००	कुल - ०४	कुल-०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन					
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।**

★ **नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।**

★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य सरिता
संपादक/लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : सनराईज़ पब्लिशर्स, जयपुर (राजस्थान)

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा : राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम
(Discipline Specific Core Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम–०२ (DSC - PAPER-02)
पाठ्यक्रम शीर्षक	कथा–सरिता
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०१ | ०१ | ०२ | ०१ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	मूल	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य का परिचय प्राप्त हो ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी प्राप्त हो ।
- छात्रों में कहानी–लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा विकसित हो ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा विकसित हो ।
- छात्रगण को हिन्दी कहानी–साहित्य की विकास–यात्रा को विस्तृत समझाना ।
- पठित कहानियों के अध्ययन से छात्रगण तत्कालीन समाज–जीवन की समस्याओं से अवगत हो।
- छात्रों को कहानी कला और उपन्यास कला के भेद समझाना।
- पठित कहानियों के माध्यम से छात्रों को मानवीय मूल्य जैसे कि प्रेम, सहिष्णुता, सहजता, आदर्शता, दया, करूणा को समझाना।
- छात्र–गण व्याकरण को समझें।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने हिन्दी कहानी साहित्य की विकसित परम्परा को विस्तार से जाना।
- छात्रों ने हिन्दी कहानी के स्वरूप को विस्तार से समझा।
- पठित कहानियों के माध्यम से छात्रों ने समाज–जीवन के मूल्यों को जाना ।
- हिन्दी कहानी–लेखन परम्परा को जानकर छात्रों ने बदलती कहानी–लेखन परम्परा को समझा ।
- पठित कहानियों के माध्यम से छात्रगण ने विभिन्न कहानियों के विभिन्न परिदृश्यों को जाना ।
- संदर्भित पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रों ने हिन्दी व्याकरण का ज्ञान प्राप्त किया।
- पठित कहानियों के माध्यम से छात्रों ने राष्ट्रप्रेम, समाजप्रेम, व्यक्तिप्रेम, पशु–प्रेम आदि को विस्तृत जाना।
- छात्रों ने हिन्दी शब्द–विचार और अव्यय को समझा।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य–इकाई		पाठ्य–विषय	
इकाई–१	आधुनिक हिन्दी कहानी	आधुनिक हिन्दी कहानी का उद्‌भव एवं विकास	आधुनिक हिन्दी कहानी का स्वरूप
		हिन्दी कहानी के प्रकार	हिन्दी कहानी : विविध विमर्श
इकाई–२	'एक टोकरी भर मिट्टी'	माधवराय सप्रे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'एक टोकरी भर मिट्टी' का मूल्यांकन
		'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी की कथावस्तु	'एक टोकरी भर मिट्टी' में व्यक्त मानवीय संवेदना
		'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी का केन्द्रवर्ती विचार	'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी में विधवा की मन:स्थिति

इकाई–२	'उसने कहा था'	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य	'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त संदेश
इकाई–३	'कफ़न'	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'कफन' का मूल्यांकन
		'कफन' कहानी का कथासार	'कफन' कहानी के पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ
		'कफन' कहानी में व्यक्त सामन्ती औपनिवेशिक गठबंधन	'कफन'कहानी का परिवेश
	'पुरस्कार'	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'पुरस्कार' का मूल्यांकन
		'पुरस्कार' कहानी की कथावस्तु	'पुरस्कार' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन
		'पुरस्कार' कहानी में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना	'पुरस्कार' कहानी में व्यक्त देश–प्रेम
इकाई–४	'हार की जीत'	सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र–चित्रण
		'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु–प्रेम
		कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ
	'अपराध'	उदय प्रकाश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के तत्त्वों के आधार पर 'अपराध' कहानी का मूल्यांकन
		बड़े भाई का चरित्र–चित्रण	'अपराध' कहानी में सामाजिक चेतना
इकाई–५	व्याकरण	शब्द विचार : – सर्वनाम–सर्वनाम के भेद – विशेषण–विशेषण के भेद – क्रिया–क्रिया के भेद – क्रिया विशेषण–क्रिया विशेषण के भेद	अव्यय : – क्रियाविशेषण अव्यय – संबंध सूचक अव्यय – समूच्य बोधक अव्यय – विस्मयादिबोधक अव्यय
टिप्पणियाँ		– 'एक टोकरी भर मिट्टी' शीर्षक की सार्थकता – 'कफन' कहानी का 'घीसू' – 'हार की जीत' कहानी की भाषा–शैली	– 'उसने कहा था' कहानी में संवाद–योजना – 'पुरस्कार' कहानी का उद्देश्य – 'अपराध' कहानी का शीर्षक

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुल – ०४	कुल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य–पुस्तक : कथा सरिता
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शांति प्रकाशन, अहमदाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपालदास – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
२. हिन्दी कहानी का इतिहास : लालचन्द्र गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
३. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
५. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
६. आज की कहानी : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

७. साठोत्तरी हिन्दी कहानी सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. आधुनिक हिन्दी कहानी सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून – मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
९. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१४. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१५. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१६. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१७. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१८. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१९. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
अंत:विषय गौण पाठ्यक्रम
(Interdisciplinary Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	अंत:विषय गौण पाठ्यक्रम–०१ (IDC Minor PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	कथा कल्प
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०२ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (५०%)	सत्रांत कसौटी अंक (५०%)	कुल अंक
०१	अंत:विषय गौण	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण हिन्दी कहानी की सृजन परम्परा को जाने ।
- छात्र समुदाय हिन्दी कहानी की शिल्प–संरचना को समझे।
- छात्रगण हिन्दी कहानी में आँचलिक स्वरूप को जाने।
- छात्रगण हिन्दी कहानी–लेखन परम्परा में आये बदलावों को जाने।
- छात्र–समुदाय संकलित कहानियों में व्यक्त मानवीय संवेदना से अवगत हो।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्र भारतीय नारी में आये बदलावों को समझे।
- छात्रगण संकलित कहानियों को पढ़कर आधुनिक समाज के संबंधों को जाने।
- छात्रगण संकलित कहानियों का प्रतिपाद्य जाने ।
- छात्रगण हिन्दी व्याकरण को जानें ।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने हिन्दी कहानी–लेखन के बीज़ तत्त्वों को सविस्तार जाना।
- छात्रों ने कहानी संरचना में कथ्य परिवर्तन की रीति को जाना ।
- छात्र समुदाय ने समय के साथ बदलते कहानी स्वरूपों को जाना।
- छात्रों ने संकलित कहानी लेखन में आये भाषिक परिवर्तनों को समझा।
- छात्र–समुदाय ने भारतीय एवं पश्चिमी नारीवादी आन्दोलनों को समझा ।
- छात्रों ने महानगरीय एवं ग्रामीण मानवीय जीवन की पद्धति को जाना।
- छात्रगण ने भारतीय एवं पाश्चात् मानव–मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया।
- छात्रगण ने संकलित कहानियों का नाट्यात्मक रूप प्रस्तुत किया।
- छात्रों ने हिन्दी व्याकरण को सविस्तार जाना ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम	✓	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	✓

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य इकाई		पाठ्य–विषय	
इकाई–१	'तीसरी कसम'	हिन्दी कहानी–लेखन परंपरा	हिन्दी कहानी का स्वरूप
		फणीश्वरनाथ 'रेणु' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'तीसरी कसम' कहानी की कथावस्तु
		कहानी कला के आधार पर 'तीसरी कसम' का मूल्यांकन	'तीसरी कसम' कहानी में व्यक्त ग्रामीण चेतना
इकाई–२	'चीफ़ की दावत'	भीष्म साहनी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'चीफ़ की दावत' कहानी का कथासार
		कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'चीफ़ की दावत' का मूल्यांकन	शामनाथ का चरित्र–चित्रण
		'चीफ़ की दावत' कहानी में माँ का त्याग	'चीफ़ की दावत' कहानी में निष्पन्न मानवीय मूल्य

इकाई–३	'यही सच है'	मन्नू भंडारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'यही सच है' कहानी का कथासार
		कहानी कला के आधार पर 'यही सच है' का मूल्यांकन	'यही सच है' कहानी में व्यक्त नारी–चेतना
		'यही सच है' कहानी में निरूपित कर्तव्य और भावना का द्वन्द्व	भारतीय नारी की नव्य छवी और 'यही सच है' कहानी का अंत:संबंध
इकाई–४	'दिल्ली में एक मौत'	कमलेश्वर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'दिल्ली में एक मौत' कहानी का कथासार
		कहानी कला के आधार पर 'दिल्ली में एक मौत' का मूल्यांकन	'दिल्ली में एक मौत' और महानगर की व्यस्त एवं आत्मकेन्द्रित जिंदगी का अंत:संबंध
		'दिल्ली में एक मौत' कहानी में टूटते मानव–मूल्य	'दिल्ली में एक मौत' कहानी की शिल्प–योजना
	'वापसी'	उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'वापसी' की कथावस्तु
		कहानी कला के आधार पर 'वापसी' का मूल्यांकन	'वापसी' कहानी में व्यक्त टूटते मानव–मूल्य
		गजाधर बाबू का चरित्र–चित्रण	'वापसी' कहानी की आधुनिकता
इकाई–५	व्याकरण	समानार्थी शब्द	कहावतें
		विरूद्धार्थीशब्द	मुहावरें
		युग्म शब्द	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
टिप्पणियाँ		– 'तीसरी कसम' कहानी का शीर्षक – 'चीफ़ की दावत' कहानी की भाषाशैली – 'यही सच है' कहानी का मध्यवर्ती विचार – 'दिल्ली में एक मौत' कहानी का शीर्षक – 'वापसी' कहानी की भाषा–शैली	– 'तीसरी कसम' कहानी का उद्देश्य – 'चीफ़ की दावत' कहानी की संवाद–योजना – 'यही सच है' कहानी की वैचारिकता – 'दिल्ली में एक मौत' कहानी का प्रारंभ – 'वापसी' कहानी का उद्देश्य

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुल – ०४	कुल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथा कल्प
संपादक : डॉ. दयाशंकर त्रिपाठी
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, मीठाखली, अहमदाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपालदास – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
२. हिन्दी कहानी का इतिहास : लालचन्द्र गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
३. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
५. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
६. आज की कहानी : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. साठोत्तरी हिन्दी कहानी सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. आधुनिक हिन्दी कहानी सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून – मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
९. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद

१०. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१४. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१५. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१६. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१७. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१८. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१९. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
बहुविषयक गौण पाठ्यक्रम
(Multidisciplinary Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	बहुविषयक पाठ्यक्रम–०१ (MDC PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी सृजनात्मक लेखन–१
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०३ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (५०%)	सत्रांत कसौटी अंक (५०%)	कुल अंक
०१	बहुविषयक	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :
- छात्रगण हिन्दी निबंध–लेखन का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप समझे।
- छात्रगण हिन्दी निबंध के प्रकार समझे।
- छात्रगण आवेदन पत्र का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप समझे ।
- छात्रगण आवेदन पत्र के लक्षण समझे ।
- छात्रगण भाषण शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप समझे ।
- छात्रगण भाषण के प्रकारों को सविस्तार समझे ।
- छात्रगण साक्षात्कार शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप समझे ।
- छात्रगण साक्षात्थ्कार की प्रमुख त्रुटियों को जानें।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
- छात्रों ने हिन्दी निबंध लेखन के सैद्धांतिक स्वरूप को जाना।
- छात्रों ने हिन्दी लेखन के विभिन्न प्रकारों को जाना।
- छात्रों ने हिन्दी आवेदन पत्र कैसे लिखा जाता है, वह जाना।
- छात्रों ने हिन्दी में नौकरी के लिए आवेदन–पत्र तैयार किया।
- छात्रों ने भाषण कला का सैद्धांतिक स्वरूप जाना।
- छात्रों ने एक अच्छे भाषण कर्ता के गुण जाने।
- छात्रों ने साक्षात्कार का सैद्धांतिक स्वरूप जाना।
- छात्रों ने एक अच्छे साक्षात्कार के गुणों को समझा।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम	✓	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य इकाई		पाठ्य–विषय	
इकाई–१	निबंध लेखन	'निबंध' शब्द का अर्थ	'निबंध' शब्द की विभिन्न परिभाषाएँ
		'निबंध' का स्वरूप	'निबंध के अंग : शीर्षक, प्रस्तावना, विषय–विस्तार और उपसंहार
	निबंध लेखन के प्रकार	विचारात्मक निबंध	भावात्मक निबंध
		वर्णनात्मक निबंध	विवरणात्मक निबंध
		आत्मपरक निबंध	मनोवैज्ञानिक निबंध
	निबंध–लेखन के गुण	व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति	सहभागिता का आत्मीय
	निबंध लेखन के अंग	शीर्षक, प्रस्तावना	विषय विस्तार, उपसंहार

इकाई–१	निबंध लेखन कला के महत्त्वपूर्ण बिंदु	विषय	रूपरेखा
		आरंभ, मध्य और अन्त	शैली
इकाई–२	आवेदन पत्र	'आवेदन' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	आवेदन पत्र के लक्षण : शिष्टता एवं शालीनता, भाषा की सरलता एवं प्रामाणिकता, संक्षिप्ति, स्पष्टता एवं पूर्णता
		आवेदन पत्र के प्रकार :– औपचारिक आवेदन–पत्र, – अनौपचारिक आवेदन–पत्र	औपचारिक पत्र : प्रार्थना, निमंत्रण, सरकारी, गैरसरकारी, व्यावसायिक, किसी अधिकारी को पत्र, नौकरी के लिए आवेदन
		आवेदन पत्र लेखन पद्धति	
इकाई–३	भाषण	'भाषण' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	भाषण के प्रकार : मौखिक भाषण, लिखित भाषण
		भाषण के लाभ : झिझक दूर करना, भाषा उच्चारण में शुद्धता, भाव स्पष्टीकरण की क्षमता बढ़ाना, व्यावहारिक कुशलता को बढ़ाना, वाक् शक्ति को बढ़ाना	भाषण की विशेषताएँ एवं गुण : भाषा का संपूर्ण ज्ञान, भाषण की भाषा में उच्चारण शुद्धता, भाषण के विराम पर बल देना, भाषा की मधुरता, भाषण की मुद्रा, औपचारिक भाषण, छात्र स्वागत भाषण, छात्र विदाय भाषण, उद्घाटन भाषण, पत्रकार परिषद भाषण
इकाई–४	साक्षात्कार	'साक्षात्कार' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	साक्षात्कार की विशेषताएँ
		साक्षात्कार के प्रकार : – व्यक्तिगत साक्षात्कार – सामूहिक साक्षात्कार – औपचारिक साक्षात्कार – अनौपचारिक साक्षात्कार – पुनरावृत्ति साक्षात्कार – केन्द्रीय साक्षात्कार – अनिर्देशित साक्षात्कार – अनुसंधान साक्षात्कार – कारक परीक्षक साक्षात्कार – प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष साक्षात्कार	साक्षात्कार का महत्त्व, गुण, दोष, सीमाएँ
			साक्षात्कार की प्रमुख त्रुटियाँ
			साक्षात्कार प्रणाली में सुधार
इकाई–५	– पाँचसौं शब्दों के आस–पास दो निबंध के प्रश्न (इनमें में एक) लिखना होगा। – नौकरी के लिए और अधिकारी को आवेदन पत्र में से एक लिखना होगा। – कक्षा अध्यापन के समय भाषण का लेखित स्वरूप तैयार करना होगा। – कक्षा अध्यापन की अविध दौरान सामूहिक साक्षात्कार करना होगा।		
टिप्पणियाँ	– प्रवास निबंध, – काव्य गोष्ठि संचालन, – अध्यापक का साक्षात्कार, – स्थानांतरण हेतु आवेदन पत्र		

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुल – ०४	कुल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी निबन्ध लेखन, प्रो. विराज एम. ए., राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली
२. हिन्दी निबंध एवं रचना, प्राची (इंडिया) प्रा. लि., दिल्ली
३. निबंध दृष्टि, डॉ. विकास दिव्य कीर्ति
४. निबंधमणि, सम्पा. डॉ. किरण शर्मा, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर
५. निबन्ध वीथी, सम्पा. डॉ. रीमा गौड़, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर
६. सृजनात्मक लेखन, डॉ. राजेन्द्र मिश्रा, तक्षशिला प्रकाशन, इलाहाबाद ।
७. व्यावहारिक निर्देशिका, डॉ. असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
८. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
९. पत्र-लेखन का मानक स्वरूप : नीलम मान
१०. भाषा विज्ञान के सिद्धांत : डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
११. भाषा और चिंतन : हेमचन्द्रपांडे

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम
(Ability Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम–०१ (AEC PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक हिन्दी कहानी एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०४ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	क्षमता संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने पर छात्रगण हिन्दी कहानी लेखन परम्परा को विस्तार से जाने।
- छात्रगण हिन्दी में रचित प्रथम कहानी कौन–सी है उसका विविध आलोचकों की दृष्टि से ज्ञान प्राप्त करे।
- प्रेमचंद एवं जयशंकर प्रसाद का जीवन–वृत्त छात्रगण जानें।
- छात्रगण पठित कहानियों के माध्यम से समाज–जीवन में व्याप्त मानव–मूल्यों को विस्तार से समझे।
- संदर्भित कहानियों को पढ़कर छात्रगण वैचारिक उदात्तता को प्राप्त करे ।
- पठित कहानियों के माध्यम से छात्रगण हिन्दी कहानी में व्यंग्य परम्परा को विस्तार से जानें।
- छात्रगण प्रारंभिक हिन्दी व्याकरण जानें।
- छात्रगण हिन्दी के विभिन्न शब्दों, मुहावरें, कहावत, लोकोक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का ज्ञान प्राप्त करके हिन्दी कहानी विधा को विस्तृत समझा ।
- छात्रों ने हिन्दी लेखन परम्परा में कहानियों की भूमिका को विस्तृत जाना ।
- छात्रों ने हिन्दी कहानी–लेखन कला का विस्तृत अध्ययन किया ।
- छात्रों ने हिन्दी कहानी–लेखन कला का ज्ञान प्राप्त करके साहित्य की अन्य विधाओं से तुलना की ।
- छात्रों संकलित हिन्दी कहानीकारों का परिचय प्राप्त किया ।
- छात्रों ने संकलित हिन्दी कहानियों को पढ़कर सामाजिक समरसता, देश–प्रेम, जातिगत चेतना, व्यक्तिगत चेतना आदि का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रगण प्रारंभिक हिन्दी व्याकरण को समझा ।
- छात्रों ने हिन्दी के विभिन्न शब्दों, मुहावरें, कहावत, लोकोक्तियों के बारे में उदाहरण सहित जाना ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	✓	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

पाठ्य–इकाई		पाठ्य–विषय	
इकाई–१	ईदगाह	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'ईदगाह' कहानी का कथासार
		कहानी कला के आधार पर 'इदगाह' का मूल्यांकन	'ईदगाह' कहानी में व्यक्त बाल मनोविज्ञान
		'ईदगाह' कहानी में व्यक्त सामाजिक चेतना	'ईदगाह' कहानी में व्यक्त आधुनिक बोध

इकाई–२	पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'पुरस्कार' का मूल्यांकन
		'पुरस्कार' कहानी की कथावस्तु	'पुरस्कार' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन
		'पुरस्कार' कहानी में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना	'पुरस्कार' कहानी में व्यक्त देश–प्रेम
इकाई–३	शब्द के प्रकार	विरूद्धार्थी शब्द	शब्द समूह के लिए एक शब्द
		समानाथी शब्द	युग्म शब्द
		तत्सम् शब्द , तद्भव शब्द,	देशज शब्द, विदेशी शब्द
इकाई–४	मुहावरें, कहावतें , लोकक्तियाँ	मुहावरे का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ	मुहावरें और लोकोक्ति में अंतर
		कहावत का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषणाएँ	कहावत और मुहावरे में अंतर
		लोकोक्ति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ	लोकोक्ति : प्रमुख अभिलक्षण
टिप्पणियाँ		– 'ईदगाह' कहानी का हामीद – 'पुरस्कार' कहानी की मधुलिका	– 'ईदगाह' कहानी का उद्देश्य, – 'पुरस्कार' कहानी में ऐतिहासिकता

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वासमानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणीयाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक हिन्दी कहानी एवं व्याकरण

संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा

प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लीकेशन, मीठाखली, अहमदाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपालदास – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
२. हिन्दी कहानी का इतिहास : लालचन्द्र गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
३. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
५. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
६. आज की कहानी : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. साठोत्तरी हिन्दी कहानी में सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. आधुनिक हिन्दी कहानी में सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून – मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
९. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१४. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१५. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१६. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१७. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१८. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१९. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम–०१ (SEC PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	संप्रेषण कौशल
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ ०१ ०३ ०५ ०१ ०१ ०१ ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	कौशल्य संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :
- छात्रगण अपनी संक्षेपण योग्यता को जानें ।
- छात्रगण संप्रेषण कौशल को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण अपनी भावात्मक क्षमता का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण अपनी अनुभव–यात्रा का उपयोग जानें ।
- छात्रगण अपनी नीतिपरकता को विस्तृत जानें ।
- छात्रगण अपनी बौद्धिक क्षमता का अनुभव करे ।
- छात्रगण अपनी सामाजिक क्षमता के उच्च बोध को प्राप्त करे।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
- छात्रों ने अपनी आत्मा सक्षमता और विश्वास को जाना ।
- छात्रों ने पेशेवर क्षमता के माध्यम से अतिरिक्त योग्यता को जाना ।
- छात्रों ने मानव–मूल्यों को विस्तृत जाना ।
- छात्रों ने अपनी संप्रेषण संबंधी समस्याओं को जाना ।
- छात्रों ने अपनी गैर–मौखिक संप्रेषण की नकारात्मकता को जाना ।
- छात्रों ने सहानुभूति पूर्ण श्रवण के महत्त्व को जाना ।
- छात्रों ने भाषा से इतर संप्रेषण का अन्वेषण किया।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	✓
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

पाठ्य इकाई		पाठ्य–विषय	
इकाई–१	श्रवण	प्रभावी श्रवण की तकनीकें	श्रवण ओर बोध
		प्रश्नोत्तरी	श्रवण में अवरोध
	वाचन	उच्चारण, निरूपण , शब्द भण्डार, प्रवाह, सामान्य त्रुटियाँ	
इकाई–२	पठन	प्रभावी पठन की तकनीकें	किसी दिये गये पाठ से विचार और सूचना एकत्रित करना
		विचारों और सूचना का मूल्यांकन करना	पाठ की व्याख्या करना
	लेखन	दावों का स्पष्ट उल्लेख करना	मुद्दों की संदिग्धता, अस्पष्टीकरण का सरलीकरण न करना
		पृष्ठभूमि सूचना उपलब्ध कराना	अवधारणाओं की व्याख्या का उदाहरण
		समुचित अनुक्रम रखना	लेखन के प्रकार : ई–मेल, उच्चतर लेखन हेतु प्रस्ताव लेखन, शिक्षार्थियों के लिए प्रासंगिक लेखन

इकाई–३	डिजिटल साक्षारता	पेशेवर जीवन में डिविटल साक्षरता की भूमिका	ईन्टरनेटर का आधारभूत ज्ञान
		कार्यस्थल पर डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग	'एमएस ऑफीस' टूल्स का परिचय : पेइन्ट, ऑफिस, एक्सेल, पावर पॉइन्ट
इकाई–४	सोश्यल मीडिया	सोशल मीडिया की वेबसाईट का परिचय	सोशल मीडिया के लाभ
		सोशल मीडिया संबंधी आचार–शिष्टाचार	गूगल सर्च का उपयोग
		सोशल मीडिया का उपयोग	डिजिटल विपणन का परिचय
टिप्पणियाँ	– गैर मौखिकी सम्प्रेषण का अर्थ, प्रकार		– मुक्त और अवरूद्ध भावभंगिमा
	– मौखिक सम्प्रेषण गलतफहमियों का निष्कासन		– मौखिक सम्प्रेषण की हस्त मुद्राएँ

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – २	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. एन इन्ट्रोडक्शन टु क्रिटिकल थिकिंग, मूलचंदा सेन, पियरसन, दिल्ली

२. हाउ टु रीड ए लोट, पी. जे. सिल्विया, अमेरिकन साईकोलोजिकल एसोसिएशन, वॉशिंग्टन डीसी

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम–०१ (SEC PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	पर्यावरण प्रशिक्षण
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०५ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	कौशल्य संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण 'पर्यावरण' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप समझें।
- छात्रगण पर्यावरण शिक्षा का महत्त्व समझें ।
- छात्रगण पर्यावरण शिक्षा को प्रभावित करनेवाले उपकरणों को जाने।
- छात्रगण पर्यावरण और विकास की परम्परा को आद्यान्त समझे।
- छात्रगण पर्यावरण शिक्षा का पाठ्यक्रम पढ़े।
- छात्रगण पर्यावरण को प्रभावित करनेवाले उपकरणों को जाने।
- छात्रगण पर्यावरण प्रदूषण को विस्तार से समझे।
- छात्रगण पर्यावरण प्रदूषण के रोकथाम के लिए विभिन्न प्रयासों के बारे में जाने।
- छात्रगण पर्यावरण रक्षण हेतु भ्रमण–विधि करें ।
- छात्रगण पर्यावरण प्रदूषण हेतू स्वयं की भूमिका स्पष्ट करें।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने 'पर्यावरण' शब्द को आद्यान्त समझा।
- छात्रों ने पर्यावरण शिक्षा का क्या महत्त्व है वह समझा।
- छात्रों ने पर्यावरण और आज की हमारी विकास–यात्रा को विस्तृत समझा।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण नीतियों को जाना।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने पार्यवरण संरक्षण में जन–संचार माध्यमों की भूमिका को समझा।
- छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण में अपने अध्यापक की एवं अपनी राय को प्रस्तुत किया।
- छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु भारत में तथा विदेशों में बनी नीतियों के बारे में जाना।
- छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण में विभिन्न समाज–सेवियों, राजकीय नेताओं, धर्म–साधकों के विचारों को जाना।
- छात्रों ने प्रस्तुत पाठ्यक्रम पढ़कर पर्यावरण संरक्षण हेतु भ्रमण विधि के अनुसार प्रवास का आयोजन किया।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	✓
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	'पर्यावरण' शब्द का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार एवं तत्त्व	पर्यावरण शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र तथा प्रकृति
	पर्यावरण शिक्षा का उद्देश्य, आवश्यकता और महत्त्व	पर्यावरण शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारक
	पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास	शिक्षा द्वारा पर्यावरण जागरूकता
	पर्यावरण शिक्षा का पाठ्यक्रम	पर्यावरण शिक्षा के उपागम और विधियाँ

इकाई–२	प्रभावी पर्यावरण शिक्षा के लिए युक्तियाँ	पर्यावरण जागरूकता के लिए शिक्षक की भूमिका
	पर्यावरण जागरूकता के लिए छात्र की भूमिका	प्राचीन युग में पर्यावरण
	मध्ययुग में पर्यावरण	वर्तमान में पर्यावरण और मानव जीवन
	पर्यावरण और मानव–समाज का अंत:संबंध	पर्यावरण शिक्षा प्रक्रिया का वर्तमान स्वरूप
इकाई–३	जल प्रदूषण	ध्वनि प्रदूषण
	वायु प्रदूषण	मृदा प्रदूषण
	सागर प्रदूषण	जन संख्या प्रदूषण
	जंगल प्रदूषण	मरूस्थल प्रदूषण
इकाई–४	पर्यावरण संरक्षण नीतियाँ एवं प्रक्रियाएँ	पर्यावरण संरक्षण में विभिन्न अभिकरणों का योगदान
	पर्यावरण संरक्षण में जन–संचार का महत्त्व	पर्यावरण संरक्षण में शिक्षक, छात्र, पाठ्यक्रम आदि की भूमिका
	पर्यावरण संरक्षण हेतु भारत में प्रयास	पर्यावरण संरक्षण हेतु विदेशों में प्रयास
	पर्यावरण संरक्षण में भ्रमणविधि का महत्त्व	पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम के लिए हमारी भूमिका
टिप्पणियाँ	– उर्जा संसाधन एवं प्रदूषण – पर्यावरण पारिस्थितिक तंत्र – पर्यावरण संरक्षक में स्वयं का अभिप्राय	– जैव विविधता : खतरे एवं संरक्षण – धर्मस्थान और पर्यावरण प्रदूषण – भ्रमण विधि से लाभ

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – २	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पर्यावरण अध्ययन
लेखक : डॉ. दयांशक त्रिपाठी
प्राप्ति स्थान : पेरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर।

संदर्भ ग्रंथ :

१. पर्यावरण और विकास : सुन्दरलाल बहुगुणा
२. लोबल वार्मिंग की खोज : स्पेन्सर आर वेयर्ट, २००८
३. पर्यावरण अध्ययन : डॉ. दयाशंकर त्रिपाठी
४. पर्यावरण भूगोल : डॉ. एच. एम. सक्सेना
५. भारतीय संदर्भों में पर्यावरण शिक्षा : डॉ. सत्यनारायण दुबे
६. वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण, डॉ. मालती
७. पर्यावरण दर्शन : डॉ. ओमप्रभात अग्रवाल
८. हमारा पर्यावरण : चिंतन, चुनौतियाँ एवं समाधान : डॉ. संगीता सिंह
९. हमारा पर्यावरण, लाईक फतेहअली
१०. पर्यावरण विकास और यथार्थ, ज्ञानेन्द्र रावत
११. कार्बन युद्ध ग्लोबल वॉर्मिंग और तुल युग का अंत : जेरेमी लेगेट, १९९९
१२. कारण के लिए ए अपील : ग्लोबल वार्मिंग पर एक अच्छी नजर, निगेल लॉसन, २००८
१३. जलवायु पूँजीवाद: जलवायु परिवर्तन के युग में पूँजीवाद : एल हंटर लविन्स और बॉयड कोहेन, २०११

१४. प्रकृति के रंग : एलिसन एच. डेमिंग और लॉरेट ई. सेवॉय, २०११
१५. एक पर्यावरण योद्धा का बयान : डेव फोरमैन – १९९१
१६. प्रकृति की मृत्यु:महिला, पारिस्थितिकी और वैज्ञानिकी क्रांति, कैरोलिन मर्चेंट, १९९०
१७. पर्यावरण अध्ययन : डॉ. चंद्रप्रकाश शुक्ल
१८. पर्यावरण शिक्षा : डॉ. सुजता बिष्ट
१९. मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन : डॉ. सुराना
२०. पर्यावरण अध्ययन : डॉ. वसंतीबहन सी. मकवाणा
१५. पर्यावरण आंदोलन : डॉ. वीरेन्द्र सिंह
१६. पर्यावरण प्रशासन एवं मानव पारिस्थितिकी : डॉ. राकेशकुमार शर्मा
१७. पर्यावरण समस्या और समाधान : शिवानंद नौटीयाल
१८. पर्यावरण और जैव संरक्षण : डॉ. राधेश्याम मौर्य
१९. पर्यावरण : डॉ. महेश राजाराम शिंदे
२०. पर्यावरण प्रदूषण : डॉ. निरंजन घाटे

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम
(Indian Knowledge System)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम (IKS PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	भारतीय निर्गुण संत परंपरा और कबीर
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०६ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	भारतीय ज्ञान परंपरा	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण निर्गुण संत परम्परा को विस्तार से जानें।
- छात्रगण निर्गुण संत परम्परा का सैद्धांतिक स्वरूप जानें।
- छात्रगण निर्गुण एवं सगुण का दार्शनिक स्वरूप जानें।
- छात्रगण हिन्दी साहित्य में निर्गुण संतों की भूमिका को जानें।
- छात्रगण कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जानें।
- छात्रगण कबीर के काव्य की प्रासंगिकता को जानें।
- छात्रगण कबीर की दार्शनिकता, आध्यात्मिकता एवं सांस्कृतिकता को जाने।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने निर्गुण संत परम्परा का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रगण ने भारतीय ज्ञान परम्परा में विविध सम्प्रदायों के महत्त्व को जाना।
- छात्रों ने हिन्दी साहित्य में संत सम्प्रदाय के आविर्भाव को जाना।
- छात्रों ने निर्गुण और सगुण भक्ति का भेद जाना।
- छात्रों ने कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाना।
- छात्रों ने कबीर की दार्शनिकता को विस्तार से जाना।
- छात्रों ने कबीर की सामाजिकता, सांस्कृतिकता को विस्तार से जाना।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	✓	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	निर्गुण संत का सैद्धांतिक स्वरूप	निर्गुण संत का दार्शनिक स्वरूप
	हिन्दी साहित्य और निर्गुण संत काव्य परम्परा	निर्गुण संत साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
	कबीर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कबीर काव्य में व्यक्त सामाजिक चेतना
	कबीर काव्य में व्यक्त आध्यात्मिक चेतना	कबीर का आत्मदर्शन
इकाई–२	कबीर काव्य में व्यक्त दार्शनिक चेतना	कबीर काव्य में सांस्कृतिक चेतना
	कबीर काव्य में निम्न जातियों में आत्म–सम्मान भावना	कबीर काव्य में व्यक्त सामाजिक समरसता
	कबीर काव्य का अभिव्यंजना पक्ष	कबीर काव्य में जीवन–दर्शन और मूल्य
	कबीर काव्य में व्यक्त मानव मूल्य	कबीर काव्य में व्यक्त योग–साधना
टिप्पणियाँ	– कबीर के 'राम – कबीर की साखियों में प्रतीकात्मकता	– कबीर के काव्य में रहस्यवाद – कबीर की साखियों की काव्यात्मकता

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन					
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीर वाणी
लेखक : डॉ. पारसनाथ तिवारी
प्राप्ति स्थान : राका प्रकाशन, इलाहाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरि प्रचारिणी सभा, काशी
३. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
४. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ धूरेलाल शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
५. भक्ति–काव्य के पुनर्मूल्यांकन में उपयोगी संदर्भ : डॉ. रामनाथ शर्मा – महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा
६. हिन्दी के काव्यकार : दमोदरदास गुप्त एवं आदित्येश्वर कौशिक – आर्गस पब्लिशींग कंपनी, नयी दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य का अतीत (प्रथम भाग – आदिकाल, भक्तिकाल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – वाणी–विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
८. हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग – शृंगार काल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – वाणी–विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
९. बिहारी और उनका साहित्य, डॉ. हरवंश लाल शर्मा – भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ
१०. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार पक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल – आस्था प्रकाशन, दिल्ली
११. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. कबीर की भक्ति भावना : विलियम द्वायर – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१३. कबीर और अखा के काव्य में समाज–विमर्श : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१४. कबीर–चिन्तन : डॉ. ब्रजभूषण शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
१५. कबीर : जीवन और दर्शन – उर्वशी सूरती, लोकभारती प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
१६. कबीर और अखा का धर्म–विमर्श : डॉ. शैलेश के. मेहता – जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१७. संत कबीर : डॉ. रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद
१८. श्रेय–साधक : कबीर : डॉ. रामनाथ शर्मा – महाराजा सायजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा
१९. हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा में भक्ति, श्याम सुन्दर शुक्ल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
२०. मध्ययुगीन कृष्ण काव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति, डॉ. हरगुलाल, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली
२१. मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, डॉ. गौरीशंकर, हीरांचद ओझा, हिन्दुस्तान एकेडेमी, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम
(Indian Knowledge System)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम (IKS PAPER)
पाठ्यक्रम शीर्षक	तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस'
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ ०१ ०३ ०६ ०१ ०१ ०१ ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	भारतीय ज्ञान परंपरा	०२	५० अंक	५० अंक	५०

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण हिन्दी में महाकाव्य लेखन परम्परा को विस्तृत जाने।
- छात्रगण महाकाव्य के सैद्धांतिक स्वरूप को समझे।
- छात्रगण गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जाने।
- छात्र–समुदाय 'रामचरित मानस' के कथानक को विस्तार से समझे।
- छात्रगण भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रामचरित मानस' का मूल्याकंन करें।
- छात्रगण 'रामचरित मानस' में राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान आदि के चरित्रों का परिचय प्राप्त करें।
- भारतीय प्राकृतिक संपदा का ज्ञान करके छात्रगण 'रामचरित मानस' में प्रकृति निरूपण को समझे।
- छात्रगण वर्तमान टूटते मानव संबंध और 'रामचरित मानस' में निरूपित मानव संबंधों की जानकारी प्राप्त करें।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने हिन्दी में लिखित महाकाव्यों की लेखन परम्परा को आद्यान्त जाना।
- छात्रों ने काव्य–स्वरूपों का अध्ययन करते हुए महाकाव्यों के स्वरूप को विस्तार से जाना।
- छात्रों ने तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को विस्तार से समझा।
- छात्रों ने तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' के कथानक को जाना।
- छात्रों ने 'रामचरिण मानस' में निरूपित प्राकृतिकता को विस्तार से समझा।
- छात्रों ने वर्तमान टूटते मानव मूल्य एवं 'रामचरित मानस' में निरूपित मानव मूल्यों की तुलना की।
- छात्रों ने 'रामचरित मानस' में चित्रित राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान आदि चरित्रों का परिचय प्राप्त किया।
- छात्रों ने 'रामचरित मानस' में निरूपित सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक चेतना को जाना।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	✓	बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	हिन्दी महाकाव्यों का उद्‌भव एवं विकास	हिन्दी महाकाव्यों का स्वरूप
	गोस्वामी तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	गोस्वामी तुलसीदासकालीन परिस्थितियाँ
	'रामचरित मानस' का कथानक	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रामचरित मानस' का मूल्यांकन
	तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' में राम का चरित्र	तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' में प्रकृति–चित्रण

इकाई–२	'रामचरित मानस' में युग–चित्रण	'रामचरित मानस' में मानवीय संबंधों का चित्रण
	'रामचरित मानस' में मानवीय मूल्यों का निरूपण	'रामचरित मानस' में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की रक्षा
	'रामचरित मानस' में लक्ष्मण का चरित्र	'रामचरित मानस' में सामाजिक चेतना
	'रामचरित मानस' में राजनैतिक चेतना	'रामचरित मानस' में धार्मिक चेतना
इकाई–३	तुलसीदास की भक्ति–भावना	'रामचरित मानस' में तुलसीदास के दार्शनिक विचार
	तुलसीदास की आदर्श–समाज व्यवस्था	तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' में ज्ञान और शक्ति का समन्वय
	'रामचरित मानस' में नारी–भावना	'रामचरित मानस' में 'स्वान्त:सुखाय' में 'बहुजन हिताय' की भावना
	'रामचरित मानस' में वर्णित मार्मिक स्थलों की समीक्षा	'रामचरित मानस' में हनुमान का चरित्र
इकाई–४	'रामचरित मानस' की भाषा और वर्तनी	'रामचरित मानस' की लोक–मंगल भावना
	'रामचरित मानस' में समन्वय की विराट–चेष्टा	'रामायण' और 'रामचरिण मानस' में मूलभूत अंतर
	तुलसीदास कृत 'रामचरित मानस' की छन्द–योजना	वर्तमान आधुनिक युग में 'रामचरित मानस' की उपयोगिता
	'रामचरित मानस' की काव्यात्मकता	'रामचरित मानस' और वर्तमान आलोचना क्षेत्र
टिप्पणियाँ	– हिन्दी रामकाव्यों का परिचय – 'रामचरित मानस' में राज–व्यवस्था – 'रामचरित मानस की प्रासंगिकता	– 'रामचरित मानस' शीर्षक की सार्थकता – 'रामचरित मानस' में निरूपित प्रतिकात्मकता – 'रामचरित मानस' और वर्तमान कथा–वाचक

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : श्री रामचरित मानस
लेखक : तुलसीदास
प्राप्ति स्थान : गीता प्रेस, गोरखपुर ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. तुलसी दर्शन : डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
२. तुलसी का मानस : डॉ. मुन्शीराम शर्मा
३. तुलसीदास : डॉ. माताप्रसाद गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
५. तुलसीदास और उनका काव्य : डॉ.रामनरेश त्रिपाठी
६. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
७. तुलसी दर्शन मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह
८. गोस्वामी तुलसीदास : डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – चिन्त प्रकाशन, कानपुर
९. तुलसी साहित्य साधना : डॉ. इन्द्रपाल सिंह, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा–२
१०. महाकवि तुलसीदास और युग–संदर्भ : डॉ. भगीरथ मिश्र – साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
११. तुलसीदास भक्ति प्रबन्ध का नया उत्कर्ष : विद्यानिवास मिश्र, ग्रंथ अकादमी, दरियागंज, नई दिल्ली
१२. रामचरित मानस विविध संदर्भ : मुंशी मुकुन्दलाल, नवोदय सेल्स, शहादरा, दिल्ली
१३. तुलसी आधुनिक वातायन से : मेघ रमेश कुन्तल, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली
१४. भारतीय दर्शन, विक्रमादित्य सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
१५. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन – डॉ. बमबमसिंह 'नीलकमल', नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
१६. रामकथा के नये संदर्भ : डॉ. रामनाथ त्रिपाठी, अनिल प्रकाशन, दिल्ली १६. तुलसीदास, डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम
(Indian Knowledge System)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम (IKS PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी की गांधीवादी कविताएँ–१
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ ०१ ०३ ०६ ०१ ०१ ०१ ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०१	भारतीय ज्ञान परंपरा	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण गांधीवादी विचारधाार का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्र–समुदाय गांधीजी द्वारा स्थापित मानव–मूल्यों की जानकारी प्राप्त करें।
- छात्रगण हिन्दी कविता में गांधीवादी विचारधारा का निरूपण समझें।
- छात्रगण हिन्दी कविता के गांधीवादी रचनाकारों का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्रगण संदर्भित पाठ्यक्रम के रचनाकारों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें।
- छात्रगण पठित कविताओं के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्रगण पठित कविताओं के माध्यम से स्वदेशी भावना जागृत करें।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने गांधीवादी विचारधारा का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने गांधीजी द्वारा स्थापित सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने हिन्दी कविता के विकास को समझा।
- छात्रों ने हिन्दी कविता के विकास–यात्रा में गांधीवादी विचारों का प्रभाव पढ़ा।
- छात्रों ने हिन्दी के गांधीवादी संबंधी कवियों का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने पठित कविताके माध्यम से गांधीदर्शन को विस्तृत समझा।
- छात्रों ने पठित कविता के माध्यम से देश–प्रेम की भावना को आत्मसात किया।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	✓	बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	गांधीवादी विचारधारा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं तत्त्व	हिन्दी साहित्य और गांधीवादी विचारधारा : सामान्य परिचय
	सुमित्रानंदन पंत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'महात्मा जी के प्रति' काव्य का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'महात्मा जी के प्रति' काव्य का मूल्यांकन	'महात्मा जी के प्रति' काव्य में व्यक्त विचार धारा
	'बापू' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'बापू' कविता का मूल्यांकन
	'बापू' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'बापू' कविता में आधुनिकता का वर्णन
	'बापू' कविता में भौतिकता के प्रति विद्रोह भाव	'बापू' कविता में व्यक्त मानव–मूल्य

इकाई–२	रामधारी सिंह 'दिनकर' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'गांधी' कविता का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'गांधी' कविता का मूल्यांकन	'गांधी' कविता में रामधारी सिंह 'दिनकर' की वैचारिकता
	'लेलिन' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'लेलिन' काव्य का मूल्यांकन
	'लेलिन' काव्य में गांधी के व्यक्तित्व का चित्रण	'लेलिन' काव्य के मध्यवर्ती विचार
इकाई–३	सियारामशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'प्यारे बापू' काव्य का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'प्यारे बापू' काव्य का मूल्यांकन	'प्यारे बापू' काव्य में राष्ट्रीय चेतना
	'सुभागम' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'सुभागम' काव्य का मूल्यांकन
	'सुभागम' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'सुभागम' काव्य में गांधीवादी चेतना
इकाई–४	सोहनलाल द्विवेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'युगावतार गांधी' कविता का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'युगावतार गांधी' कविता का मूल्यांकन	'युगावतार गांधी' कविता में रामराज्य की स्थापना
	'खादीगीत' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'खादीगीत' काव्य का मूल्यांकन
	'खादीगीत' में स्वदेश भावना	'खादी गीत' में गांधी विचारधारा
टिप्पणियाँ	– 'बापू' कविता का शीर्षक	– 'लेलिन' कविता का उद्देश्य
	– 'खादी गीत' काव्य का मध्यवर्ती विचार	– 'सुभागम' कविता का उद्देश्य

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी गांधीवादी कविताएँ
सम्पादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. नयी कविता में राष्ट्रीय चेतना, डॉ. देवराज पथिक
२. भारतीय राष्ट्रवाद के विकास की हिन्दी साहित्य में अभिव्यक्ति, डॉ. सुषमा नारायण
३. हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना, विद्यानाथ गुप्त
४. छायावादी काव्य में राष्ट्रवादिता, डॉ. अशफ़ाक सिकलगर
५. राष्ट्रीयता एवं भारतीय शिक्षा, डॉ. शम्भूशरण दीक्षित
६. राष्ट्रवादी चिन्तक माखनलाल चतुर्वेदी, गोपनाथ कालभोर
७. हिन्दी कविता आधुनिक और समकालीन, डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
८. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, प्रो. राठौड़ बालू
९. हिन्दी कविता : भाषा और शिल्प : विविध प्रतिमान, डॉ. पंडित बन्ने
१०. आधुनिक हिन्दी कविता : मनन और मूल्यांकन, डॉ. सूर्यनारायण वर्मा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम
(Discipline Specific Core Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम–०३ (DSC - PAPER-03)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : 'संशय की एक रात'
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०१ | ०२ | ०३ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	मूल	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रों को हिन्दी साहित्य–लेखन परम्परा को विस्तार से समझाना ।
- छात्रों को हिन्दी महाकाव्यों और खण्ड काव्यों की परम्परा को समझाना।
- छात्रों को हिन्दी खण्डकाव्यों की संरचना समझाना ।
- छात्रों को हिन्दी के गणमान्य साहित्यकारों और कृतियों को सम्मानित करने की परम्परा को समझाना ।
- छात्रों को पौराणिक एवं ऐतिहासिक काव्यों की समझ प्रदान करना ।
- छात्रों को पौराणिकता एवं आधुनिकता का समन्वय यानी कि मिथक को समझाना ।
- पठित कृति के माध्यम से छात्रों को तत्कालीन एवं वर्तमान स्थितियों से अवगत कराना
- छात्रगण पल्लवन एवं संक्षेपण को समझे।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- पठित पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रगण ने नरेश मेहता के जीवन–वृत्त को समझा।
- छात्रगण ने महाकाव्य और खण्डकाव्य लेखन परम्परा को समझा।
- छात्रगण ने महाकाव्य और खण्डकाव्य के भेद को समझा ।
- पठित 'संशय की एक रात' खण्डकाव्य के माध्यम से छात्रों ने पौराणिक कथा को समझा।
- छात्रगण ने 'राम' के चरित्र की विशिष्टतम उपलब्धियों को जाना।
- 'संशय की एक रात' खण्डकाव्य पढ़कर छात्रगण ने पौराणिक कथा का वर्तमान संदर्भ जाना।
- छात्रगण ने नरेश मेहता की काव्य–कला को विस्तार से जाना।
- छात्रगण ने पल्लवन और संक्षेपण कैसे किया जाता है वह समझा ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हिन्दी खण्डकाव्यों का उद्‌भव एवं विकास
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य की कथावस्तु	खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'संशय की एक रात' का मूल्यांकन
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में 'राम' का चरित्र–चित्रण	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में व्यक्त नरेश महेता की वैचारिकता
इकाई–२	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में राम के मन में निरूपित युद्ध का द्वन्द्व	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में जन–चेतना
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में युगीन–चेतना	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य की मिथकीयता
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में आधुनिकता

इकाई–३	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में पौराणिकता और आधुनिकता का समन्वय	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य के युगीन संदर्भ
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में सीता का चरित्र–चित्रण	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में हनुमान के चरित्र की विशेषताएँ
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में वर्णित समस्याएँ	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य की भाषा–शैली
इकाई–४	'संशय की एक रात' मे लक्ष्मण की शौर्यता	संशय की एक रात' में लोकतंत्र
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में चित्रित राम की समकालीनता
	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में व्यक्त मानव–मूल्य	'संशय की एक रात' खण्डकाव्य में अभिनय तत्त्व
इकाई–५	पल्लवन का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	संक्षेपण का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
	पल्लवन के सिद्धांत	संक्षेपण के गुण
	पल्लव का महत्त्व और विधि	संक्षपण की प्रक्रिया या विधि
टिप्पणियाँ	– 'संशय की एक रात' शीर्षक की सार्थकता – 'संशय की एक रात' में राम–जामवन्त संवाद	– 'संशय की एक रात' का उद्देश्य – 'संशय की एक रात' में उपमान योजना

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षाथी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुइ–०४	कल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्यपुस्तक : संशय की एक रात
संपादक/लेखक : डॉ. नरेश महेता
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी भावना : शैल कुमारी – हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहबाद
२. आधुनिक हिन्दी साहित्य में नारी : डॉ. सरला हुआ – साहित्य निकेतन, कानपुर
३. आधुनिक कविता का विकास : समाजिक सांस्कृतिक संदर्भ में : डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल 'तरूण'– यतीन्द्र साहित्य सदन, भीलवाड़ा (राज.)
४. आधुनिक हिन्दी काव्य में रामकथा : डॉ. रामनाथ तिवारी – किताब महल, पटना
५. आधुनिक कृष्ण काव्य में युगबोध : डॉ. परविन्दर कौर – भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी कविता–विकास के आयाम : नीरज ठाकुर – चिन्तन प्रकाशन, राजस्थान
७. 'उत्तर रामचरितम्' और आधुनिक हिन्दी प्रबन्ध काव्य परंपरा : डॉ. कृष्णा गोपाल मिश्र – रचना प्रकाशन, जयपुर
८. कृष्णभक्ति – काव्य : द्वापर : डॉ. सुरेशचन्द्र झा 'किंकर' – संस्कृति प्रकाशन, अहमदावाद
९. खड़ीबोली रामकाव्यों में चित्रित समाज और संस्कृति : डॉ. मनोहर सराफ – विद्या प्रकाशन, कानपुर
१०. खड़ीबोली के रामकाव्य में युग चेतना : डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव – राहुल पब्लिशिंग, मेरठ
११. गुजरात की समकालीन हिन्दी कविता : डॉ. अम्बाशंकर नागर – हिन्दी साहित्य, अकादमी
१२. गोस्वामी तुलसीदास : डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – चिन्त प्रकाशन, कानपुर
१३. डॉ. किशोर काबरा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – शान्ति प्रकाशन, आसन, रोहतक, हरियाणा
१४. 'धनुष–भंग' : एक अनुशीलन : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – दिव्या प्रकाशन, हीरा वाडी, नरोडा रोड, अहमदाबाद
१५. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध : उर्वशी शर्मा – बोहरा प्रकाशन, जयपुर

१६. नवमें दशक की हिन्दी कविता : डॉ. यतीन्द्र तिवारी – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१७. 'नारी–शोषण'–समस्याएँ एवं समाधान : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१८. भारतीय जनता तथा संस्थाएँ : रवीन्द्रनाथ मुकर्जी
१९. भारतीय नारी अस्मिता और अधिकार : आशारानी व्होरा – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
२०. भारतीय नारी : वर्तमान समस्यायें और भावी समाधान – डॉ. आर. पी. तिवारी एवं डॉ. डी.डी. पी. शुक्ला – ए.पी. एच. पब्लिशींग कोर्पोरेशन, नई दिल्ली
२१. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान : डॉ. शुक्ल उमा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२२. भारतीय स्त्री : सांस्कृति संदर्भ : प्रतिभा जैन एवं संगीता शर्मा –
२३. भारतीय समाज में नारी : प्रज्ञा शर्मा – पोईन्टर पब्लिशर्स, जयपुर
२४. भारतीय समाज में नारी : सुनीता जैन, संगीता गोयल – आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर
२५. भारतीय संस्कृति में नारी : डॉ. सिंहल लता – परिमल पब्लिशर्स, शक्तिनगर, दिल्ली
२६. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व : सोती वीरेन्द्र चंद्र – राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली
२७. महाभारत कालीन नारी : डॉ. श्रीमती स्कालस्टिका कुजूर – इन्स्टर्न बुक लिंकर्स, न्यू चन्द्रावल, दिल्ली
२८. महाभारत कथाओं पर आधारित हिन्दी काव्य : डॉ. राघवप्रसाद पाण्डेय – साहित्य रत्नालय, कानपुर
२९. महिला एवं विकास : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३०. मिथकीय संदर्भो में रामचरित : डॉ. सुभद्रा पाटिल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
३१. रामायण का आचार दर्शन : अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
३२. रामायण में नारी : डॉ. अर्चना विश्नोई – परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
३३. रामकाव्यों में नारी : डॉ. विद्या – प्रकाशन संस्थान
३४. वैदिक वाङमय में नारी : डॉ. सुषमा शुक्ला – विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
३५. सीता समाधि : राजेश्वरी अग्रवाल – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३६. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
३७. हिन्दी रामकाव्य में नारी : डॉ. पूर्णिमा केड़िया – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३८. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास बदलते युगबोध के परिप्रेक्ष्य में : प्रेमचन्द माहेश्वरी – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
३९. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४०. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४१. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
४२. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
४३. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
४४. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
४५. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
४६. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम
(Discipline Specific Core Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम–०४ (DSC - PAPER-04)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : 'दौड़'
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०१ | ०२ | ०४ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	मूल	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण हिन्दी उपन्यास–परम्परा को विस्तार से समझे।
- छात्रगण हिन्दी उपन्यास के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करें ।
- छात्रगण ममता कालिया के जीवन–कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण सृजनकार की सृजनधर्मिता को विस्तार से जानें।
- छात्रगण हिन्दी उपन्यासों में निरूपित ऐतिहासिकता और आधुनिकता का ज्ञान प्राप्त करें ।
- छात्रगण 'दौड़' उपन्यास में व्यक्त नारी–चेतना को समझें ।
- छात्रगण 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से वर्तमान समाज जीवन में नारी के स्थान को समझें।
- छात्रगण पठित उपन्यास के माध्यम से भूमण्डलीकरण, बाजारवाद, वैश्विकरण आदि के बारे में छात्र विस्तार से समझे ।
- छात्रों को वर्तमान शिक्षा–पद्धति से अवगत करना ।
- छात्रगण हिन्दी व्याकरण में उपसर्ग तथा प्रत्यय का ज्ञान प्राप्त करें।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रगण ने साहित्यिक विधाओं का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास को समझा ।
- छात्रगण ने उपन्यास संरचना को कैसे किया जाता है वह समझा।
- छात्रगण ने ममता कालिया के जीवनवृत्त एवं कृतित्व को जाना।
- छात्रों ने 'दौड़' उपन्यास पढ़कर आधुनिक समाज जीवन की समस्याओं को जाना ।
- पठित उपन्यास के माध्यम से भूमण्डलीकरण, बाजारवाद, वैश्विकरण आदि कों छात्रों ने विस्तार से समझा ।
- छात्रों ने ममता कालिया की भाषा का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने प्रस्तुत उपन्यास पढ़कर विभिन्न नारी लेखकों की जानकारी प्राप्त की।
- छात्रगण वर्तमान शिक्षा–पद्धति से अवगत हुए ।
- छात्रों ने हिन्दी व्याकरण में उपसर्ग तथा प्रत्यय का ज्ञान प्राप्त किया।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हिन्दी महिला उपन्यासकारों में ममता कालिया का स्थान
	'दौड़' उपन्यास की कथावस्तु	'दौड़' उपन्यास की पात्र–योजना
इकाई–२	उपन्यास–कला के आधार पर 'दौड़' का मूल्यांकन	भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में 'दौड़' उपन्यास का मूल्यांकन
	'दौड़' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ	'दौड़' उपन्यास की संवाद–योजना
इकाई–३	'दौड़' उपन्यास का शीर्षक	'दौड़' उपन्यास का उद्देश्य
	'दौड़' उपन्यास में व्यक्त उपभोक्तावादी संस्कृति	'दौड़' उपन्यास में व्यक्त शिक्षा में भ्रष्टाचार

इकाई–४	'दौड़' उपन्यास का परिवेश	'दौड़' उपन्यास की भाषाशैली
	'दौड़' उपन्यास में व्यक्त मार्क्सवादी चिंतन	'दौड़' उपन्यास का अन्त
इकाई–५	'उपसर्ग' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	'प्रत्यय' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
	'उपसर्ग' के उदाहरण : हिन्दी उपसर्ग, संस्कृत उपसर्ग, अरबी–फारसी उपसर्ग, अंग्रेजी उपसर्ग	'कृत प्रत्यय' एवं कृत प्रत्यय के भेद (प्रकार)
		'तद्धित प्रत्यय एवं तद्धित प्रत्यय के भेद (प्रकार)
टिप्पणियाँ	– 'दौड़' उपन्यास की वैचारिकता – 'दौड़' उपन्यास में व्यक्त बाजारीकरण	– 'दौड़' उपन्यास में व्यक्त मानवीय संवेदना – 'दौड़' उपन्यास की समसामायिकता

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षाथी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुइ–०४	कल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : दौड़ (उपन्यास)
लेखिका : ममता कालिया
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. फैमिदा बिजापुरे – विनय प्रकाशन, कानपुर
२. हिन्दी उपन्यास साहित्य की विकास परम्परा में साठोत्तरी उपन्यास : डॉ. पारूकान्त – चिंतन प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान, लिपिक प्रकाशन, दिल्ली
४. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास : अतुलवीर अरोडा, पंजाब पब्लिकेशन, चंदीगढ
५. उपन्यास समीक्षा के नये आयाम : दंगल झाल्टे – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
६. आधुनिक समाज की नारी चेतना : डॉ. सुशील वर्मा – आशा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
७. उत्तरशती का हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. मोहनन – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
८. कथाकार : ममता कालिया : डॉ. रेखा मुळे – विकास प्रकाशन, कानपुर
९. उपन्यास : स्वरूप तथा शिल्प : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त – अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नवम् दशक के उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ. कल्पना माणिकचंद व्हसाळे – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
११. भारतीय नारी : दशा और दिशा : आशा रानी व्होरा – नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१२. महिला उपन्यासकारों के रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ : डॉ. शीलप्रभा वर्मा – विद्या विहार, कानपुर
१३. महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि : डॉ. अमर ज्योति – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
१४. महिला कथाकार समाजशास्त्रीय एवं संकल्पना : डॉ. काश्मीरीलाल – भावना प्रकाशन, पटडगंज, दिल्ली
१५. महिला उपन्यासकारों की सामाजिक चेतना एवं शिक्षा : डॉ. सुनीता सक्सेना – आशा पब्लिशिंग कंपनी, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
अंत:विषय गौण पाठ्यक्रम
(Interdisciplinary Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	अंत:विषय गौण पाठ्यक्रम–०२ (IDC Minor PAPER-02)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : पंचवटी एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०२ | ०१ | ०२ | ०२ | ०१ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	अंत:विषय गौण	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण काव्य–स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्रगण भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की वैचारिकता को समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- छात्रगण हिन्दी के विरामचिह्नों को समझें ।
- छात्रगण हिन्दी महाकाव्यों एवं खण्डकाव्यों की स्वरूपगत तुलना करें।
- छात्रगण रामायण की कथा और गुप्त रचित 'पंचवटी' की कथा का भेद समझे।
- छात्रगण राम के चरित्र की लाक्षणिकता को समझे।
- छात्रगण रामायण एवं पंचवटी में वर्णित शूर्पणखा के परिवार का ज्ञान प्राप्त करें।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने हिन्दी खण्डकाव्य लेखन परम्परा को विस्तृत रूप से समझा।
- छात्रों ने खण्डकाव्य का स्वरूप समझकर महाकाव्य एवं खण्डकाव्य के लक्षणों को समझा ।
- छात्रों ने मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय प्राप्त किया।
- छात्रों ने मूल रामायण की कथा एवं मैथिलीशरण गुप्त रचित 'पंचवटी' की कथा के भेद को समझा।
- छात्रों ने लक्ष्मण के चरित्र के माध्यम से वर्तमान युवा पीढ़ी की वैचारिकता को समझा।
- छात्रों ने हिन्दी के विराम–चिह्नों का परिचय प्राप्त किया।
- छात्रों ने 'पंचवटी' की भाषा को विस्तृत रूप से जाना।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशलपरक आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	✓	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	✓

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य–इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	हिन्दी खण्डकाव्य का उद्‌भव एवं विकास	हिन्दी खण्डकाव्यों का स्वरूप
	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'पंचवटी' खण्डकाव्य की कथावस्तु
	खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'पंचवटी' का मूल्यांकन	'पंचवटी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राम' का चरित्र–चित्रण
इकाई–२	'पंचवटी' खण्डकाव्य में निरूपित प्रकृति–चित्रण	'पंचवटी' खण्डकाव्य के आधार पर 'लक्ष्मण' का चरित्र–चित्रण
	'पंचवटी' खण्डकाव्य में मिथकीयता	'पंचवटी' खण्डकाव्य में पौराणिकता एवं आधुनिकता का समन्वय
	'पंचवटी' खण्डकाव्य के आधार पर 'सीता' का चरित्र–चित्रण	'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त भारतीय जीवन मूल्य

इकाई–३	'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त राष्ट्रीय भावना	'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त नारी चेतना
	'पंचवटी' खण्डकाव्य में लक्ष्मण–शूर्पणखा संवाद	'पंचवटी' खण्डकाव्य का काव्य–सौंदर्य
	'पंचवटी' खण्डकाव्य की शिल्प–योजना	'पंचवटी' खण्डकाव्य में इतिहास और कल्पना का समन्वय
इकाई–४	'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त भारतीय संस्कृति	'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त पाश्चात्य संस्कृति
	'पंचवटी' खण्डकाव्य का भाव–पक्ष	'पंचवटी' खण्डकाव्य की आधुनिकता
	'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त आदर्श राजनीति	'पंचवटी' खण्डकाव्य में दार्शनिकता
इकाई–५	विराम चिह्न : पूर्ण विराम चिह्न, उपविराम चिह्न, अर्ध विराम चिह्न, अल्पविराम चिह्न, प्रश्न चिह्न, विस्मय चिह्न	विवरण चिह्न : योजक चिह्न, उर्ध्व विराम चिह्न, लोप चिह्न, संक्षेप सूचक चिह्न, उद्धरण चिह्न, त्रुटीपूरक चिह्न, हंसपद चिह्न, कोष्टक चिह्न
टिप्पणियाँ	– 'पंचवटी' खण्डकाव्य की संवाद–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त संदेश	– 'पंचवटी' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य का वातावरण – 'पंचवटी' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षाथी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुइ–०४	कल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पंचवटी
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, १८४–तलैया, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी व्याकरण की सरल पद्धति : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
७. व्यावहारिक हिन्दी : कैलाशचन्द्र भाटिया – तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
८. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एक नया अनुशीलन : के. के. कृष्णन नम्बूदिरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. लिपि वर्तनी और भाषा : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१०. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण : विराज–राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली
११. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
१२. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
१३. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
१४. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
१५. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१६. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १

१७. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१८. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१९. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन
२०. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२१. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२२. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
२३. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
२४. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२५. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२६. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२७. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
बहुविषयक गौण पाठ्यक्रम
(Multidisciplinary Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	बहुविषयक पाठ्यक्रम–०२ (MDC PAPER-02)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी सृजनात्मक लेखन–२
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०३ | ०१ | ०२ | ०२ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	बहुविषयक	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	**१.पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :**
➢ छात्रगण हिन्दी कहानी लेखन का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करे। ➢ छात्रगण कहानी के भेदों को जानें। ➢ छात्रगण 'पटकथा' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को जाने। ➢ छात्रगण फिल्मों आदि में पटकथा का महत्त्व समझे ➢ छात्रगण विज्ञापन के महत्त्व को समझे। ➢ छात्रगण मुद्रणमाध्यम और इलैक्ट्रोनिक माध्यमों में विज्ञापन के रूप को जाने। ➢ छात्रगण संदेश लेखन का साहित्यिक रूप जाने। ➢ छात्रगण संदेश लेखन के प्रकारों को जाने।	➢ छात्रों ने हिन्दी कहानी लेखन का व्यावहारिक रूप को जाना। ➢ छात्रों ने हिन्दी भाषा में कहानी लेखन किया। ➢ छात्रों ने पटकथा लेखन का महत्त्व समझा । ➢ छात्रों ने हिन्दी फिल्मों में पटकथा लेखन का महत्त्व समझा। ➢ छात्रों ने वर्तमान समय में विज्ञापनों का महत्त्व जाना। ➢ विज्ञापन रोजगार प्राप्त कर सकता है, छात्रों ने वह जाना। ➢ छात्रों ने संदेश लेखन को विस्तार से जाना। ➢ संदेश लेखन की उपयोगिता को छात्रों ने समझा ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	✓	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य इकाई		**पाठ्य–विषय**	
इकाई–१	कहानी–लेखन	'कहानी' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	कहानी–लेखन के तत्त्व : कथावस्तु या कथानक, पात्र या चरित्र–चित्रण, संवाद या कथोपकथन, वातावरण या परिवेश, भाषाशैली, उद्देश्य
		कहानी लेखन के भाग : – कहानी के आधार पर कहानी लिखना – संकतों या रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखना – अपूर्ण कहानी को पूर्ण करना – चित्र के आधार पर कहानी लिखना	कहानी के भेद : – घटनाप्रधान कहानी – चरित्र प्रधान कहानी – वातावरण प्रधान कहानी – भाव प्रधान कहानी – मनोविश्लेषणात्मक कहानी

इकाई–२	पटकथा–लेखन	'पटकथा' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	पटकथा–लेखन के प्रकार
		फीचर फिल्मों के लिए पटकथा	टेलीविझन निर्माण के लिए पटकथा
		वीडियो गेम और पटकथा	विशिष्ट पटकथा–लेखन : आयोग, फ्रीचर एसाइन्मेन्ट लेखन, पुनर्लेखन और स्क्रिप्ट डॉक्टरींग, टेलीविझन लेखन, दैनिक श्रृंखला के लिए लेखन
		पटकथा का नायक : साहिसिक, कसौटी में उत्तीर्ण, लक्ष्य वेधक, वरदान प्राप्त	
		पटकथा की संरचना : अंग्रेजी शब्द स्क्रीनप्ले, पटकथा के अंग, पात्र–नायक–प्रतिनायक	कथा द्वन्द्व, विभिन्नि घटना स्थल, विभिन्न दृश्य नाटक और फिल्म की पटकथा में अंतर
इकाई–३	विज्ञापन–लेखन	'विज्ञापन' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	विज्ञापन के विविध आयाम:– मुद्रण माध्यम : समाचार पत्र, पत्रिकाएँ – इलैक्ट्रोनिक माध्यम :– श्रव्य माध्यम (रेडियो, मुनादी आदि), दृश्य–श्रव्य माध्यम (टेलीविझन इंटरनेट), चलचित्र माध्यम (फिल्म), अन्य माध्यम (आउट डोर, होर्डिंग, पर्चे, पोस्टर, बैनर, प्रदर्शनी, स्टीकर, उपहार, डायरी, कलैंडर आदि।
		विज्ञापन के प्रकार : अनुनय विज्ञापन , सूचनाप्रद विज्ञापन – संस्थानिक विज्ञापन – औद्योगिक विज्ञापन – वित्तीय विज्ञापन – वर्गीकृत विज्ञापन – राजनैतिक विज्ञापन – समाचार विज्ञापन	
		विज्ञापन–लेखन के अंग : विज्ञापनवस्तु, शीर्षक, उपशीर्षक, कायाकथ्य, उपसंहार, विज्ञान सज्जा, ट्रेडमार्क एवं लोगो, नारा (स्लोगन)	विज्ञापन की भाषा : शृंगारिक भाषा, विशेषण युक्त भाषा मनोरंजक भाषा आदि ।
इकाई–४	संदेश–लेखन	'संदेश' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	संदेश लेखन की आवश्यकता
		संदेश लेखन के प्रकार : – औपचारिक एवं अनौपचारिक, शुभकामना संदेश, पर्व व त्यौहार संदेश, शोक संदेश, व्यक्तिगत संदेश, सामाजिक संदेश	संदेश लेखन के अंग : शीर्षक, दिनांक, मुख्य भाग, प्रेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
		विरामचिह्न	अनेकार्थ शब्द (पर्यायवाची शब्द)
इकाइ–५	लेखन–कौशल	अपूर्ण कहानी को पूर्ण करना (व्यावहारिक लेखन)	वीडियो गेम की पटकथा (लेखन व्यावहारिक)
		साबुन के विज्ञापन बनाना (व्यावहारिक लेखन)	शोक–संदेश का प्रारूप (लेखन व्यावहारिक)
टिप्पणियाँ		– बाल कहानी लेखन – पहाड़ी दृश्य की साहसी पटकथा	– साडी का व्यावहारिक विज्ञापन – होली का शुभकामना संदेश

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षाथी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुइ–०४	कल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपालदास – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
२. हिन्दी कहानी का इतिहास : लालचन्द्र गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
३. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
५. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
७. भाषाविज्ञान पर भाषण : डॉ. हेमचन्द्र जोशी, राजकमल प्रकाशन, द्यिल्ली
८. अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
९. भाषा लोचन : पं. सीताराम चतुर्वेदी
१०. नागरी अंक और अक्षर : गौरीशंकर ओझा
११. हिन्दी भाषा का आधुनिकीकरण : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
१२. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
१३. व्यावहारिक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
१४. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी भाषा : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
१५. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
१६. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप : डॉ. राजेन्द्र मिश्र
१७. पत्र–लेखन का मानक स्वरूप : नीलम मान
१८. भाषा विज्ञान के सिद्धांत : डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
१९. भाषा और चिंतन : हेमचन्द्रपांडे

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम
(Ability Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम-२ (AEC PAPER-02)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना सम्पन्न कविताएँ एवं अनुवाद
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०४ | ०१ | ०२ | ०२ | ०१ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०२	क्षमता संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :
- छात्रगण हिन्दी कविता-लेखन की परम्परा को जानें ।
- छात्रगण हिन्दी राष्ट्रीय काव्यधारा का ज्ञान प्राप्त करें ।
- छात्रगण रामधारीसिंह 'दिनकर' एवं सुभद्रकुमारी चौहाण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जानें ।
- छात्रगण पठित कविताओं का भावगत प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करें ।
- छात्रगण पठित कविताओं का शिल्प समझें ।
- छात्रगण अनुवाद का सैद्धान्तिक स्वरूप जानें ।
- छात्रगण अनुवाद लेखन की परम्पराओं को जानें ।
- छात्रगण अनुवाद के प्रकारों को विस्तार से समझें ।
- छात्रगण अनुवाद के भविष्य को विस्तार से समझें ।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
- छात्रों ने हिन्दी साहित्य में कथा लेखन की परम्परा को विस्तार से जाना ।
- छात्रों ने हिन्दी साहित्य में लिखित राष्ट्रीय काव्यधारा को विस्तृत समझा ।
- पाठकगण ने रामधारी सिंह 'दिनकर' एवं सुभद्राकुमारी चौहाण का व्यक्तित्व कृतित्व समझा ।
- छात्रों ने पठित कविताओं का भाववाही अध्ययन किया ।
- छात्रों ने पठित कविता के कलापक्ष को विस्तार से जाना ।
- छात्रों ने अनुवाद का सैद्धान्तिक स्वरूप को समझा ।
- छात्रों ने अनुवाद लेखन की परम्पराओं को समझा ।
- छात्रों ने अनुवाद के प्रकारों को विस्तार से समझा ।
- छात्रों ने अनुवाद के भविष्य को विस्तार से समझा ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	✓	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

पाठ्य-इकाई		पाठ्य-विषय	
इकाई-१	रामधारी सिंह 'दिनकर'	रामधारी सिंह 'दिनकर' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'हिमालय के प्रति' काव्य का भावार्थ
		भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'हिमालय के प्रति' काव्य का मूल्यांकन	'हिमालय के प्रति' काव्य में राष्ट्रीय भावना
		'सिंहासन खाली करो' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'सिंहासन खाली करो' काव्य का मूल्यांकन
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में राजनैतिक चेतना	'सिंहासन खाली करो' काव्य में केन्द्रवर्ती विचार

इकाई–२	सुभद्राकुमारी चौहान	सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'वीरों का कैसा हो वसंत' काव्य का भावार्थ
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वीरों का कैसा हो वसंत' काव्य का मूल्यांकन	'वीरों का कैसा हो वसंत' काव्य में अभिव्यक्त देश–भक्ति
		'झांसी की रानी' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'झांसी की रानी' काव्य का मूल्यांकन
		'झांसी की रानी' काव्य में' स्वदेश–भावना	'झांसी की रानी' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार
इकाई–३	अनुवाद	अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व	अनुवाद का उद्‌भव एवं विकास
		अनुवाद का महत्त्व, विशेषताएँ एवं उपयोगिता	अनुवाद के क्षेत्र
		अनुवादक के गुण,	अनुवाद की प्रक्रिया
इकाई–४	अनुवाद	अनुवाद भाषा : स्रोतभाषा, लक्ष्यभाषा, संकल्पना और विवेचन	अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद भावानुवाद, छायानुवाद, व्याख्यानुवाद, सारानुवाद, आशुअनुवाद, रूपान्तरण ।
		अनुवाद की शैलियाँ	अनुवाद और वैश्विकरण
टिप्पणियाँ		– 'हिमालय के प्रति' काव्य का उद्देश्य – 'झांसी की रानी' काव्य का शीर्षक	– अनुवाद में रोजगार की संभावनाएँ – अनुवाद का भविष्य

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वासमानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	०२:००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणीयाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्‌यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्‌यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्‌य पुस्तक : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना सम्पन्न कविताएँ संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक, (हरियाणा)	पाठ्‌य पुस्तक : अनुवाद भारती संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

१. नयी कविता में राष्ट्रीय चेतना, डॉ. देवराज पथिक
२. भारतीय राष्ट्रवाद के विकास की हिन्दी साहित्य में अभिव्यक्ति, डॉ. सुषमा नारायण
३. हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना, विद्यानाथ गुप्त
४. छायावादी काव्य में राष्ट्रवादिता, डॉ. अशफ़ाक सिकलगर
५. राष्ट्रीयता एवं भारतीय शिक्षा, डॉ. शम्भूशरण दीक्षित
६. राष्ट्रवादी चिन्तक माखनलाल चतुर्वेदी, गोपनाथ कालभोर
७. हिन्दी कविता आधुनिक और समकालीन, डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
८. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, प्रो. राठौड़ बालू
९. हिन्दी कविता : भाषा और शिल्प : विविध प्रतिमान, डॉ. पंडित बन्ने
१०. आधुनिक हिन्दी कविता : मनन और मूल्यांकन, डॉ. सूर्यनारायण वर्मा
११. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाश चंद्र भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
१२. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

१३. हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – सं. रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव और गोस्वामी, प्र. आलेख प्रकाशन, दिल्ली
१४. हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – वासुदेवनंदन प्रसाद, प्र. भारती भवन प्रकाशन, पटना
१५. विदेशी भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, नरेश कुमार, प्र. प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
१६. सूचना साहित्य अनुवाद की चुनौतियाँ – वास्वन – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१७. अनुवाद – मलयालम साहित्य मार्ग एवं मार्गदर्शन – आरसु – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१८. अनुवाद : परंपरा, प्रक्रिया और प्रासंगिकता – डॉ. शैलेश के. मेहता – रावत प्रकाश, नई दिल्ली
१९. अनुवादशास्त्र : व्यवहार से सिद्धांत की ओर : हेमचन्द्र पांडे
२०. अनुवाद के विविध आयाम : डॉ. डी. एस. पोखरिया
२१. अनुवादशास्त्र : व्यवहार से सिद्धांत की ओर : हेमचन्द्र पांडे
२२. अनुवाद का मानक स्वरूप : नीलम मान
२३. अनुवाद के विविध आयाम : डॉ. डी. एस. पोखरिया

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम–०२ (SEC PAPER-02)
पाठ्यक्रम शीर्षक	नेतृत्व और प्रबंधन कौशल
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०५ | ०१ | ०२ | ०२ | ०१ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:००घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	कौशल्य संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	**पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :**
➢ छात्रगण प्रभावी नेतृत्व के गुणों को समझे ।	➢ छात्रों ने प्रभावी नेतृत्व के गुणों को जाना ।
➢ छात्रगण नेतृत्व के आवश्यक गुण को जाने ।	➢ छात्रों ने नेतृत्व की परिभाषा, आदर्शवादिता एवं प्रेरणादायी प्रवृत्ति को समझा।
➢ छात्रगण आदर्श नेता के गुण जाने ।	➢ छात्रों ने नेतृत्व के मूल्यों को विस्तार से जाना।
➢ छात्रगण नेतृत्व की शैलियों को जाने ।	➢ छात्रों ने नव्य नेतृत्व की डिजाइन चिंतन प्रणाली को जाना ।
➢ छात्रगण नेता प्रबंधकीय कौशल से अवगत हो।	➢ छात्रों ने नेतृत्व की नेटवर्किंग व्यवस्था को जाना ।
➢ छात्रगण नेता के स्व–प्रबंधन कौशल को जाने ।	➢ छात्रों ने नेता के स्व–प्रबंधन कौशल को जाना।
➢ छात्रगण नवप्रवर्तनकारी नेतृत्व के गुणों को जाने ।	➢ छात्रों ने नेता के उद्यमी लक्षणों को जाना ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	✓
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई		**पाठ्य–विषय**	
इकाई–१	नेतृत्व कौशल	नेतृत्व : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	नेतृत्व की आवश्यकता एवं महत्त्व
		आदर्श नेता के लक्षण	नेता के नेतृत्व का जन्मजात लक्षण
		नेता के प्रभावी गुण	नेतृत्व शैलियाँ
		विभिन्न नेताओं के नेतृत्व कौशल	प्रोत्साहीत एवं प्रभाव नेतृत्व
		नेता का जनसंपर्क	नेता का जन समझौता
		नेता का नेटवर्किंग	नेता का समन्वयवादी दृष्टिकोण
इकाई–२	प्रबंधकीय कौशल	नेता का प्रभावी प्रबंधन एवं योजनाएँ	नेता का दलों का गठन करने का स्वभाव
		नेता की संगठन में प्रतिभावान लोगों की भरती	नेता के कार्यों का प्रत्यायोजन
		नेता के ताल–मेल संबंधी सीख	नेता का संघर्ष–प्रबंधन
		नेता को स्व–संकल्पना को समझना	नेता में आत्मबोध का विकास करना
		नेता के आत्म–परीक्षण एवं आत्म–विनियमन के गुण	नेता का सरल स्वभाव

इकाई–३	उद्यमितापरक कौशल	उद्यमिता के मूल तत्त्व : – उद्यमिता का अर्थ, – उद्यमिता का वर्गीकरण और प्रकार – उद्यमी के लक्षण और क्षमताएँ	व्यापार योजना : – समस्या की पहचाना – नये विचार का सृजन – विचार पुष्टि – व्यापार के लिए रास्ता बनाना
इकाई–४	नवप्रवर्तनकारी नेतृत्व	भावनात्मक और सामाजिक बुद्धिमत्ता की संकल्पना	मानव और कृत्रिम बुद्धिमता का संश्लेषण
		नव्य नेताओं का सांस्कृतिक ज्ञान	नव्य नेताओं का राष्ट्रीय ज्ञान
		डिज़ाइन थींकिंग :– अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	डिज़ाइन थींकिंग के मुख्य तत्त्व : खोज, निर्वचन विचारोद्भव, प्रयोग, उद्विकास, चुनौतियों का परिवर्तन, सामाजिक हित
टिप्पणियाँ		– नैतिक आचार – नेता के नैतिक आचार औ आचरण	– उच्चजीवनियों से सीखना – नैतिक आचार का महत्त्व

परीक्षण एवं मूल्यांकन			कुल
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक (Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)	एसाईन्मेन्ट – १० | सेमिनार – १० | निरंतर मूल्यांकन – १० | सत्रांत आंतरिक कसौटी – १५ | छात्र की उपस्थिति – ०५ अथवा – प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों को प्रथम सत्र में किसी नजदिकी विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक प्रयोगशाला, ऐतिहासिक–पौराणिक एवं धार्मिक स्थल का प्रवास करना होगा – १५ अंक – प्रस्तुत पाठ्यक्रम पढ़नेवाले छात्रों को किसी क्षेत्र विशेष का प्रवास करके उसी प्रवास का स्वहस्ताक्षर में प्रवास–वर्णन करना होगा। – १५ अंक – प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों को प्रस्तुत पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट पाठ्य मुद्दों को ध्यान में रखकर एक प्रोजेक्ट पेपर तैयार करना होगा। – २० अंक		५०
सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी	१० वैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ एक–एक वाक्य प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	५०
विश्वास मानांक (क्रेडिट)	नियमित परीक्षार्थी	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	०२
	नियमित परीक्षार्थी	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२	०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	०२:००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणीयाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. ए बायोग्राफी ऑफ ई. श्रीधरन, एम. एस. असोकन, पेंगुइन–ब्रिटेन ।

२. इगनाइटिड माइन्ड्स : अनलिशिंग द पावर विदइन इण्डियाक्ष, अब्दुल कलाम , पेंगुइन–ब्रिटेन ।

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम–०२ (SEC PAPER-02)
पाठ्यक्रम शीर्षक	पर्यटन व्यवस्थापन
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०५ | ०१ | ०२ | ०२ | ०१ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	कौशल्य संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण 'पर्यटन' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप समझें।
- छात्रगण पर्यटन की विभिन्न मूलभूत अवधारणाओं की समझ विकसित करें।
- छात्रगण पर्यटन परम्परा के इतिहास को विस्तृत रूप से समझे।
- छात्र–समुदाय पर्यटन के विभिन्न रूपों को विस्तार से जाने।
- छात्रगण पर्यटन एवं संस्कृति का अंत:संबंध को विस्तार से जाने।
- छात्रगण भारतीय राजनीति में पर्यटन की व्यवस्था को विस्तृत जाने।
- छात्रगण देश की अर्थव्यवस्था और अन्य उद्योगों के साथ में पर्यटन उद्योग का महत्त्व समझें।
- छात्र समाज और पर्यावरण पर पर्यटन के विभिन्न प्रभावों के बारे में समझेंगे।
- छात्र घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन यातायात पर राजनीतिक, तकनीकी, कानूनी जैसे तत्त्वों के प्रभाव को भी समझेंगे।
- छात्रगण पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार निर्मित योजनाओं और अभियानों के बारे में जाने।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने 'पर्यटन' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझा।
- छात्रों ने हमारे देश में पर्यटन की कब शुरूआत हुई वह जाना।
- छात्रों ने भारतीय एवं विदेशी पर्यटन–रीति और संस्कृति के अंत:संबंध को जाना।
- छात्रगण ने अध्यापक द्वारा पढ़ाई गई भारतीय पर्यटन व्यवस्था को जाना।
- छात्रों ने पर्यटन और पर्यावरण के अत:संबंध को समझा।
- छात्रों ने पर्यटन और विदेशी नीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों ने पर्यटन और राजनीतिक व्यवस्था को जाना।
- छात्रों ने पर्यटन के द्वारा मनुष्यों को मानसिक तनावों से दूर रखने की प्रणाली को जाना।
- छात्रों ने पर्यटन और अर्थ–व्यवस्था में रोजगार कैसे प्राप्त करे, वह जाना।
- छात्रों ने पर्यटन और भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, आर्थिक, धार्मिक चेतनाओं को समझा।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	✓
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	'पर्यटन' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	पर्यटन के प्रकार
	पर्यटक और पर्यटन	पर्यटन का इतिहास
	पर्यटन का विकास	मानववैज्ञानिक दृष्टि से पर्यटन
	पर्यटन और संस्कृति	पर्यटन और संस्कृति का उत्पादन
इकाई–२	पर्यटन के विभिन्न रूप	अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन
	अंतर–सीमा पर्यटन	अंतर्सीमा पर्यटन
	अंतर क्षेत्रीय पर्यटन	घरेलू पर्यटन
	आंतरिक पर्यटन	राष्ट्रीय पर्यटन
इकाई–३	पर्यटन की राजनीतिक व्यवस्था	पर्यटन एवं भारतीय विरासत स्थल
	पर्यटन की मूर्त और अमूर्त विरासत	पर्यटन का अर्थशास्त्र
	पर्यटन और पर्यावरण	भारत में पर्यटकों की आवाजाही–स्वरूप के ममाले का अध्ययन
	पर्यटन की विभिन्न व्यवस्थाएँ	पर्यटन की राजनीतिक अर्थ–व्यवस्था
इकाई–४	मानववैज्ञानिक दृष्टि से पर्यटन	शारीरिक प्रेरक पर्यटन
	अंतर व्यक्तिगत प्रेरक पर्यटन	स्थिति और प्रतिष्ठा प्राप्त पर्यटन
	भारत की प्रमुख पर्यटन योजनाएँ	पर्यटन आगमन पर वीज़ा (वीओए) योजना
	प्रमाद, हृदय, यात्रा सर्किट पर्यटन योजना	पर्यटन और वैश्विक संस्कृति ज्ञान
टिप्पणियाँ	– साहसिक पर्यटन – पर्यटन का पर्यावरण पर प्रभाव	– टाइपोलॉजी पर्यटन – पर्यटक गाईड की विशेषताएँ
		– पर्यटन नीति–१९८२ – भारतीय पर्यटन का भविष्य

परीक्षण एवं मूल्यांकन			कुल
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक (Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)	एसाईन्मेन्ट – १० | सेमिनार – १० | निरंतर मूल्यांकन – १० | सत्रांत आंतरिक कसौटी – १५ | छात्र की उपस्थिति – ०५ अथवा – प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों को प्रथम सत्र में किसी नजदिकी विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक प्रयोगशाला, ऐतिहासिक–पौराणिक एवं धार्मिक स्थल का प्रवास करना होगा – १५ अंक – प्रस्तुत पाठ्यक्रम पढ़नेवाले छात्रों को किसी क्षेत्र विशेष का प्रवास करके उसी प्रवास का स्वहस्ताक्षर में प्रवास–वर्णन करना होगा। – १५ अंक – प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्रों को प्रस्तुत पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट पाठ्य मुद्दों को ध्यान में रखकर एक प्रोजेक्ट पेपर तैयार करना होगा। – २० अंक		५०
सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी	१० वैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ एक–एक वाक्य प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	५०
विश्वास मानांक (क्रेडिट)	नियमित परीक्षार्थी	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	०२
	नियमित परीक्षार्थी	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२	०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	०२:००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणीयाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पर्यटन उद्भव एवं विकास
लेखक : डॉ. राजेशकुमार व्यास
प्राप्ति स्थान : राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. पर्यटन उद्‌भव एवं विकास : डॉ. राजेशकुमार व्यास
२. आधुनिक पर्यटन एवं यात्रा के आधारभूत सिद्धांत : डॉ. जगमोहन नेगी
३. पर्यटन भूगोल : डॉ. सुनीताराव शिंदे
४. भारत में पर्यटन : डॉ. राजेशकुमार व्यास
५. पर्यटन एक नवीन अवधारणा : डॉ. राजेन्द्रकुमार निर्मल
६. पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद : डॉ. संजयकुमार शर्मा
७. भारत के प्रमुख पर्यटन स्थल : डॉ. भूपेन्द्रसिंह राठौड़
८. भारत के ऐतिहासिक पर्यटन स्थल : डॉ. रमेशचन्द्र
९. 'चुका बीच' खूबसूरत पर्यटन स्थल : नीलीमा कुमार
१०. पर्यटन प्रबंधन : जगदीश सिंह
११. शिमला डायरी : प्रमोद रंजन
१२. पर्यटन विकास की नई दिशाएँ : डॉ. जगमोहन नेगी
१३. पर्यटन दशा एवं दिशा : डॉ. एम. आर. गढवीर
१४. अतुल्य भारत : विद्या चौधरी
१५. देश का दिल दिल्ली : डॉ. रोहित अग्रवाल
१६. राजस्थान के पर्यटन स्थल : राजाकिशन खत्री
१७. मध्यप्रदेश:एक परिचय : जितेन्द्रसिंह भदौरिया
१८. पर्यटन मार्केटींग एवं विकास : डॉ. जगमोहन नेगी

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम
(Value Added Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम–०१ (VAC PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	गुजरात की निर्गुण संत परंपरा और दादू दयाल
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०६ | ०१ | ०२ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	मूल्य वर्धित	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण गुजरात की निर्गुण संत परम्परा और हिन्दी साहित्य का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्र समुदाय गुजरात का प्रादेशिक भक्ति आन्दोलन का इतिहास जानें।
- गुजरात के संतों, महंतों, लोक–जागरण कर्ताओं के बारे में छात्रगण विस्तृत जानकारी प्राप्त करें।
- छात्रगण गुजरात के प्रमुख निर्गुण संत और उनके द्वारा स्थापित सम्प्रदायों के बारे में में जानें।
- छात्रगण गुजरात की स्त्री संत परम्परा में प्रादेशिक स्त्री संतों का परिचय प्राप्त करें।
- छात्रगण गुजरात की वर्तमान स्थिति में भक्त कवियों का योगदान समझे।
- छात्रगण दादू दयाल सम्प्रदाय और परवर्ती सम्प्रदाय के बारे में जानें।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्र समुदाय ने गुजरात की प्रादेशिक निर्गुण संत परम्परा को विस्तार से जाना।
- छात्रों ने मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन में गुजरात के संतों के योगदान को जाना।
- छात्रों ने गुजरात में स्थापित वर्तमान सम्प्रदायों के बारे में जाना।
- छात्रों ने गुजरात की स्त्री संत परम्परा को जाना।
- छात्रों ने गुजरात की संत परम्परा पर अन्य संत परम्परा के प्रभाव को जाना।
- छात्रों ने दादू दयाल सम्प्रदाय को विस्तार से जाना।
- छात्रों ने दादू दयाल के काव्य में निरूपित साम्प्रदायिकता, राष्ट्रीयता, दार्शनिकता को जाना।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	✓	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	गुजरात की निर्गुण संत परंपरा और हिन्दी साहित्य	गुजरात का भक्ति आन्दोलन और प्रमुख निर्गुण संत
	गुजरात के निर्गुण संतों का राष्ट्र–जागरण में योगदान	गुजरात की स्त्री संत परम्परा और लोक–जागरण
	गुजरात के संत–सम्प्रदाय में दादू सम्प्रदाय का स्थान	गुजरात में वर्तमान विविध संत सम्प्रदाय
इकाई–२	दादू दयाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	दादू दयाल के काव्य में व्यक्त सामाजिक–चेतना
	दादू दयाल के काव्य में साम्प्रदायिक सहिष्णुता व समन्वय की भावना	दादू दयाल के काव्य की प्रासंगिकता
	दादू दयाल के काव्य में राष्ट्रीयता	दादू दयाल के प्रमुख उपसम्प्रदाय सांस्कृतिक व आध्यात्मिक चेतना

टिप्पणियाँ	– दादू दयाल की भक्तिभावना – दादू दयाल के काव्य की प्रतीकात्मकता – दादू दयाल काव्य में व्यक्त गुरु महिमा	– दादू दयाल की काव्य परम्परा – दादू दयाल का परब्रह्म सम्प्रदाय – दादू दयाल का खाकी सम्प्रदाय

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वासमानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	०२:००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणीयाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : श्री स्वामी दादू दयाल की वाणी
संपादक : आचार्य चंद्रिकाप्रसाद त्रिपाठी
प्राप्ति स्थान : वैदिक यंत्रालय, अजमेर

संदर्भ ग्रंथ :

१. दादू दयाल, रामबक्ष, प्रकाशन–साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
२. दूसरी परम्परा की खोज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
३. दादू ग्रंथावली, डॉ. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण–२००५
४. उत्तरी भारत की संत परंपरा, परशुराम चतुर्वेदी, भारतीय भण्डार, लीडर प्रेस, प्रयाग ।
५. अथ श्री दादू दयाल की वाणी, डॉ. दलजंग सिंह का संस्करण, जेल प्रेस, जयपुर।
६. दादू दयाल ग्रन्थावली, परशुराम चतुर्वेदी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
७. संत साहित्य की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, डॉ. सावित्री शुक्ल, लखनऊ ।
८. संत साहित्य के प्रेरणा स्रोत, परशुराम चतुर्वेदी, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
९. हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा में भक्ति, श्याम सुन्दर शुक्ल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
१०. मध्ययुगीन कृष्ण काव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति, डॉ. हरगुलाल, भारतीय साहित्य मन्दिर, दिल्ली
११. मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, डॉ. गौरीशंकर, हीरांचद ओझा, हिन्दुस्तान एकेडेमी, इलाहाबाद
१२. संत दादू और उनका काव्य, डॉ. भगवतव्रत मिश्र, दिनेश प्रकाशन कुटीर, अलीगढ
१३. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, डॉ. पीत्ताम्बरदत्त बड़थ्वाल, अवध पं. हा. लखनऊ ।

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम
(Value Added Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (VAC PAPER)
पाठ्यक्रम शीर्षक	योग एवं ध्यान
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ ०१ ०३ ०६ ०१ ०२ ०१ ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	मूल्यवर्धित	०२	५० अंक	५० अंक	५०

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण योग–विद्या के उद्‌भव और विकास को जानें।
- छात्रगण 'योग' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा एवं उद्देश्य को जाने।
- छात्रगण योग क्रिया के प्रारम्भिक नियमों को जानें।
- छात्रगण भारतीय साधना में योग–साधना का स्थान स्पष्ट करें।
- छात्रगण योग और योगिक अभ्यास का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्रगण श्वास अभ्यास और प्राणायाम का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्रगण ध्यानाभ्यास का ज्ञान प्राप्त करें

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने भारतीय साधनाओं में योगसाधना के स्थान के बारे में जानकारी प्राप्त की।
- छात्रों ने 'योग' शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझा।
- छात्रों ने योग साधना के नियमो को जाना।
- छात्रों ने मंत्र, मंगलाचरण और प्रार्थना में योग के महत्त्व को जाना।
- छात्रों ने स्वयं योग करने का प्रयास किया और सफल रहें।
- इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर छात्रों ने स्वयं के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य में विकास किया।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	✓	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

पाठ्य–इकाई		पाठ्य–विषय		व्याख्यान की संख्या
इकाई–१	योग और योगिक अभ्यासों का परिचय	योग : व्युत्पत्ति, परिभाषाएँ, उद्देश्य और गलत धारणाएँ	योग : इसकी उत्पत्ति, इतिहास और विकास	५
		योग अभ्यासकर्ताओं द्वारा पालन किए जाने वाले नियम और विनियम	योग प्रथाओं का परिचय	
		षट्कर्म : योग साधना में अर्थ, उद्देश्य और उनका महत्त्व	योगिक शिथिलीकरण और सूर्य नमस्कार का परिचय	
		सारबिंदु : योग का इतिहास और विकास, योग के सिद्धांत और महत्त्व, सामान्य योगिक अभ्यास।		

इकाई–२	श्वास अभ्यास और प्राणायाम	अनुभागीय श्वास (पेट, थोरैसिक और क्लैविक्युलर)	योगिक गहरी श्वास	५
		पुरक, रेचक और कुंभक की अवधारणा	बंध और मुद्रा की अवधारणा	
		अनुलोम विलोम/नाड़ी शोधन	शीतली एवं भ्रामरी	
		सार बिंदु : पुरक, रेचक और कुंभक, बंध और मुद्रा, प्राणायाम		
इकाई–३	ध्यानाभ्यास	प्रणव मंत्र का पाठ	मंत्रों का पाठ, मंगलाचरण और प्रार्थनाओं में	५
		अंतर मौन	श्वास ध्यान एवं ओम ध्यान	
		सार बिंदु : प्रणव मंत्र, श्वास ध्यान, ओम ध्यान		

परीक्षण एवं मूल्यांकन			कुल
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक (Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)	एसाईन्मेन्ट – १० | सेमिनार – १० | निरंतर मूल्यांकन – १० | सत्रांत आंतरिक कसौटी – १५ | छात्र की उपस्थिति – ०५		कुल ५०
	अथवा		
	– प्रस्तुत पाठ्यक्रम में पंजीकृत छात्रों को पाठ्यक्रम में समाविष्ट योग एवं ध्यान क्रियाओं का शारीरिक रूप से योग–निष्णांतों के समक्ष परीक्षा देनी होगी।		
सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	५०
विश्वास मानांक (क्रेडिट)	नियमित परीक्षार्थी	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	०२
	नियमित परीक्षार्थी	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२	०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन				
प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
बहुवैकल्पिक प्रश्न	०२:००	१०	१	१०
लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
टिप्पणीयाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. सिंह एस. पी. और योगी मुकेश : फाउंडेशन ऑफ योग, स्टैंडर्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली, २०१०
२. स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी : योगासन विज्ञान, धीरेन्द्र योग प्रकाशन, नई दिल्ली, १९६६
३. सरस्वती, स्वामी सत्यानंद : आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध (APMS), योग प्रकाशन ट्रस्ट, मुंगेर, २०१३
४. एच. आर. नागेन्द्र : आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध, स्वामी विवेकानंद योग प्रकाशन, बैंगलोर, २००२
५. ईश्वर भारद्वाज : सरल योगासन, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, २०१८
६. श्री राम सिंह चौहान : मुद्रा रहस्तय, भारतीय योग संस्थान, नई दिल्ली, २०१४
७. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद संहा : ध्यान योग, भारतीय योग संस्थान, नई दिल्ली, १९८७
८. धी देवराज : ध्यान साधना, भारतीय योग संस्थान, नई दिल्ली, २०१५

वेबसाईट लिंक :

1. www.rishikeshnathyogshala.com

ऑनालाईन पाठ्यक्रम :

1. https://sahayji.com/hathyoga-course
2. https://theyogainstitute.org/

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम
(Value Added Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम–०१ (VAC PAPER-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी की गांधीवादी कविताएँ–२
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०६ | ०१ | ०२ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:०० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०२	मूल्य वर्धित	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण गांधीवादी विचारधाार का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्र–समुदाय गांधीजी द्वारा स्थापित मानव–मूल्यों की जानकारी प्राप्त करें।
- छात्रगण हिन्दी कविता में गांधीवादी विचारधारा का निरूपण समझें।
- छात्रगण हिन्दी कविता के गांधीवादी रचनाकारों का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्रगण संदर्भित पाठ्यक्रम के रचनाकारों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें।
- छात्रगण पठित कविताओं के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का ज्ञान प्राप्त करें।
- छात्रगण पठित कविताओं के माध्यम से स्वदेशी भावना जागृत करें।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने गांधीवादी विचारधारा का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने गांधीजी द्वारा स्थापित सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने हिन्दी कविता के विकास को समझा।
- छात्रों ने हिन्दी कविता के विकास–यात्रा में गांधीवादी विचारों का प्रभाव पढ़ा।
- छात्रों ने हिन्दी के गांधीवादी संबंधी कवियों का ज्ञान प्राप्त किया।
- छात्रों ने पठित कविताके माध्यम से गांधीदर्शन को विस्तृत समझा।
- छात्रों ने पठित कविता के माध्यम से देश–प्रेम की भावना को आत्मसात किया।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	✓	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'सत्याग्रह' कविता का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'सत्याग्रह' काव्य का भूल्यांकन	'सत्याग्रह' कविता में राष्ट्रीय भावना
	'श्रद्धांजलि' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'श्रद्धांजलि' काव्य का मूल्यांकन
	'श्रद्धांजलि' काव्य में व्यक्त समकालीनता	'श्रद्धांजलि' काव्य क केन्द्रवर्तीय विचार
इकाई–२	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'नि:शस्त्र सेनानी' काव्य का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'नि:शस्त्र सेनानी' कविता का मूल्यांकन	'नि:शस्त्र सेनानी' काव्य में राष्ट्रीय चेतना
	सूर्यकान्त 'निराला' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'बापू के प्रति' कविता का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'बापू के प्रति' कविता का मूल्यांकन	'बापू के प्रति' कविता केन्द्रवर्ती विचार

इकाई–३	नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'गांधी' कविता का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'गांधी' कविता का मूल्यांकन	'गांधी' कविता का केन्द्रवर्ती विचार
	'तीनों बंदर बापू के' कविता का भावाार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तीनों बंदर बापू के' कविता का मूल्यांकन
	'तीनों बंदर बापू के' कविता में समकालीनता	'तीनों बंदर बापू के' कविता में गांधीवादी विचारधारा
इकाई–४	भवानीप्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'तुम कागज पर लिखते हो' काव्य का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तुम कागज पर लिखते हो' काव्य का मूल्यांकन	'तुम कागज पर लिखते हो' काव्यं में व्यक्त गांधीवादी मूल्य
	घुँघरू परमार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'गांधी' कविता का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'गांधी' कविता का मूल्यांकन	'गांधी' कविता में गांधीजी का चरित्र
इकाई–५	अनुभव का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'बापू' कविता का भावार्थ
	भावपक्ष एवं कला पक्ष की दृष्टि से 'बापू' कविता का मूल्यांकन	'बापू' कविता' में व्यक्त जातिवाद का विरोध
	'दीवार पर' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'दीवार पर' कविता का मूल्यांकन
	'दीवार पर' कविता में ऐतिहासिकता	'दीवार पर' काव्य में व्यक्त नेहरू, लोहिया और अम्बेड़करवादी विचारधारा
टिप्पणियाँ	– 'सत्याग्रह' कविता का उद्देश्य	– 'बापू के तीन बंदर' कविता का शीर्षक
	– 'दीवार पर' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना	– 'बापू' कविता का केन्द्रवर्ती विचार

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.१५० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी गांधीवादी कविताएँ
सम्पादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. नयी कविता में राष्ट्रीय चेतना, डॉ. देवराज पथिक
२. भारतीय राष्ट्रवाद के विकास की हिन्दी साहित्य में अभिव्यक्ति, डॉ. सुषमा नारायण
३. हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना, विद्यानाथ गुप्त
४. छायावादी काव्य में राष्ट्रवादिता, डॉ. अशफ़ाक सिकलगर
५. राष्ट्रीयता एवं भारतीय शिक्षा, डॉ. शम्भूशरण दीक्षित
६. राष्ट्रवादी चिन्तक माखनलाल चतुर्वेदी, गोपनाथ कालभोर
७. हिन्दी कविता आधुनिक और समकालीन, डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
८. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, प्रो. राठौड़ बालू
९. हिन्दी कविता : भाषा और शिल्प : विविध प्रतिमान, डॉ. पंडित बन्ने
१०. आधुनिक हिन्दी कविता : मनन और मूल्यांकन, डॉ. सूर्यनारायण वर्मा